दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ सच...
● नई दिल्ली | बुधवार 11 मार्च -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 77 पेज-08 ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

एक ही झटके में मेयर ने जीत लिया जनता का दिल

बोली जनता, महापौर ने दे दी है हमें हाउस टैक्स पर बड़ी राहत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एक ऐसा मुद्दा जिस पर ना चाहते हुए भी धीरे धीरे सीन अफसर बनाम जनप्रतिनिधि हो गया था। हालांकि बाद में ये बात भी आई कि पूर्व पार्षद न्यायपालिका की शरण में नहीं जाते तो बात सहमति से यहीं बन जाती। यहां पर पार्षदों ने तर्क ये भी दिया था कि जो कोर्ट गये वो पार्षद नहीं थे वो पूर्व पार्षद थे। लिहाजा वो सदन का हिस्सा नहीं है और जो प्रस्ताव सदन ने पास किया। उसका सम्मान होना था। इन सबके बीच पूरी जनता की निगाहें जिस चेहरे पर थी वो चेहरा मेयर सुनीता दयाल का था। हाउस टैक्स के घटनाक्रम को देखें तो सबसे पहले ये प्रस्ताव आया और फिर विरोध का बिगुल बजा। बोर्ड की बैठक हुई और सर्वसम्मति से ये प्रस्ताव निरस्त हुआ। प्रस्ताव के निरस्त होने की घोषणा भी खुद नगर निगम सदन की मुखिया मेयर सुनीता दयाल ने की। इसके बाद भी लोगों के पास मैसेज पहुंचे और इसी बीच दो पूर्वपार्षद हाईकोर्ट चले गये। पूर्व पार्षद हाईकोर्ट में और मौजूदा पार्षद धरने पर बैठ गये। वो लखनऊ भी गये और इस बीच कोर्ट का फैसला आ गया। इसके बाद डाक बंगले में बैठक हुई और फिर से बोर्ड की बैठक हुई। यहां पर शासन वाला पेंच फंसा। अधिकारी ये तर्क दे रहे हैं कि इस मामले में शासन की रिपोर्ट है और शासन को ही फैसला लेना है जबकि जनप्रतिनिधि ये तर्क दे रहे हैं कि कर की दर ज्यादा है और इससे सरकार की जनछवि जनता के बीच ठीक नहीं रहती है और इसी रस्साकसी में निगम की बैठक हो गई। बोर्ड बैठक में जो फार्मूला अधिकारियों ने बताया उससे जनता संतुष्ट नहीं थी। इससे पहले वाली बैठक में सांसद, विधायक, एमएलसी सब बैठे थे और अब सबकी निगाहें यहां नगर निगम सदन की मुखिया मेयर सुनीता दयाल पर आ गईं। मेयर सुनीता दयाल का राजनीतिक स्वभाव और एक जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी नेचर बोल्ड है। बड़े फैसले लेती हैं और स्वयं मौके पर पहुंचती है। जिन जमीनों को निगम खाली नहीं करा सका। उन जमीनों को मेयर सुनीता दयाल ने कब्जा मुक्त कराया। स्वयं मौके पर पहुंची और अवैध अतिक्रमण पर बुल्डोजर चलवाया। टैक्स वाले मसले पर भी वो कहीं से कहीं तक पीछे नहीं रहीं। पूरे बोल्ड तरीके से सदन में कहा कि सर्वसम्मति से प्रस्ताव निरस्त है। जनता से कहा कि वो पुरानी दरों पर टैक्स जमा करायें। जब इस मामले में तर्क वाले पेंच फंस रहे थे तब उन्होंने छूट का भी ऐलान किया। 20 प्रतिशत की छूट की बात कही। बोर्ड बैठक के बाद से ही ऐसा लग रहा था कि अब मेयर ने इस पूरे मामले को अपनी रणनीति के रडार पर ले लिया है। वो इस मामले को होल्ड पर रखने के फेवर में नहीं दिखाई दी। उनका ये मानना था कि जनता के बीच हमें जाना है और जनता के बीच सरकार की छवि उनके जनप्रतिनिधियों से बनती है ना कि कर्मचारियों से। उन्होंने बोर्ड बैठक में ही कहा था कि वो शासन जायेंगी और इस टैक्स की दर को कम कराकर लायेंगी। मेयर सुनीता दयाल अपनी बात पर कायम रहीं और उन्होंने लखनऊ की ओर कूच किया। वो शासन तक पहुंची और उन्होंने लखनऊ से लौटकर जो संदेश दिया उसे सुनते ही उनकी जय जयकार होने लगी। वास्तव में एक ही झटके में मेयर सुनीता दयाल ने जनता का दिल जीत लिया। लखनऊ से लौट कर उन्होंने जो संदेश दिया उससे उनकी जय-जयकार होने लगी। एक तरीके से अब लोग ये कह रहे हैं कि मेयर ने कमाल किया है और ठीक एक ऐसा किया है कि 100 सुनार की और एक लुहा की कहावत सिद्ध कर दी है। मेयर सुनीता दयाल के प्रयास रंग लाये हैं और गाजियाबाद की जनता को एक बहुत बड़ी राहत उन्होंने दी है। उनकी प्रशंसा चारों ओर हो रही है और कहानी यहां से पूरी तरह ट्विस्ट कर गई है। एक ही झटके में मेयर सुनीता दयाल जनता की लोकप्रिय जनप्रतिनिधि होकर सामने आयी हैं। लखनऊ में मेयर सुनीता दयाल ने शासन के अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद ये संदेश दिया कि टैक्स नहीं बढ़ेगा। जनहित के लिए ही संघर्षशील और आज भी जनहित के हूं, ये बात महापौर ने कही।

अभी पुरानी दरों पर ही वसूलेगा नगर निगम टैक्स

करंट क्राइम। मेयर के ऐलान के बाद प्रेस नोट भी जारी हुआ और उसमें बताया गया कि अभी पुरानी दरों पर ही नगर निगम हाउस टैक्स वसूलेगा। मेयर सुनीता दयाल ने जहां कर दरों में कमी के लिए मुख्यमंत्री का अभार व्यक्त किया है शासन काआभार व्यक्त है। वहीं उन्होंने अपने प्रेसनोट के जरिए तय कर दिया है कि अभी हाउस टैक्स नहीं बढाया जायेगा और पुरानी दरों पर ही हाउस टैक्स लिया जायेगा। जिसकी प्रक्रिया और औपचारिकता कुछ ही दिनों में पूर्ण कर ली जायेगी।

हाउस टैक्स कम होने का पूरा श्रेय महापौर को : संजीव शर्मा

करंट क्राइम : शहर विधायक संजीव शर्मा ने हाउस टैक्स कम किए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इसका पूरा श्रेय महापौर सुनीता दयाल को जाता है। उन्होंने कहा कि महापौर ने इस पूरे मुद्दे पर लगातार जनता के हित को सर्वोपरि रखा और अंततः जो निर्णय लिया गया वह आम नागरिकों के हित में है। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि यदि गाजियाबाद की बड़ी आबादी पर बढ़े हुए हाउस टैक्स का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा तो यह शहरवासियों के लिए बड़ी राहत की बात है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर शहर के जनप्रतिनिधियों ने भी आगे आकर अपनी बात रखी और महापौर ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए सभी पक्षों को ध्यान में रखा।

मेयर की गाजियाबाद को बड़ी राहत
फिलहाल नहीं बढ़ेगा हाउस टैक्स

महापौर सुनीता दयाल की लखनऊ में उच्च अधिकारियों से बैठक के बाद फैसला
जनता की चिंता को शासन तक पहुंचाया गया

जनहित को प्राथमिकता देते हुए लिया गया फैसला
शहर के लाखों मकान मालिकों को मिलेगा लाभ
महापौर ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : शहर में पिछले कुछ समय से हाउस टैक्स बढ़ाए जाने को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच गाजियाबाद की जनता के लिए राहत भरी खबर सामने आई है।

गाजियाबाद नगर निगम की महापौर सुनीता दयाल ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल हाउस टैक्स में किसी प्रकार की बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी और नगर निगम द्वारा पुरानी दरों पर ही हाउस टैक्स की वसूली की जाएगी।

महापौर ने इस संबंध में लखनऊ जाकर उत्तर प्रदेश शासन के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें गाजियाबाद में प्रस्तावित हाउस टैक्स वृद्धि के सभी पहलुओं पर गंभीरता से चर्चा की गई। बैठक में यह सहमति बनी कि अभी शहरवासियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं डाला जाएगा और फिलहाल पुरानी दरों पर ही टैक्स जमा किया जाएगा।

महापौर सुनीता दयाल ने लखनऊ में शासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर गाजियाबाद में हाउस टैक्स को लेकर चल रहे विवाद और जनता की चिंताओं से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर शहर की परिस्थितियों और नागरिकों की भावनाओं को प्रमुखता से रखा गया।

पुरानी दरों पर ही होगी टैक्स वसूली

करंट क्राइम : बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया कि नगर निगम गाजियाबाद फिलहाल हाउस टैक्स की वसूली पुरानी दरों के आधार पर ही करेगा। नई दरों को लागू करने की प्रक्रिया को रोक दिया गया है, जिससे शहरवासियों को बड़ी राहत मिली है। महापौर ने बताया कि इस निर्णय से संबंधित प्रशासनिक प्रक्रिया और औपचारिकताएं जल्द ही पूरी कर ली जाएंगी। इसके बाद नगर निगम द्वारा आधिकारिक रूप से पुरानी दरों पर ही टैक्स वसूली जारी रखी जाएगी।

जनहित सर्वोपरि : महापौर सुनीता दयाल

करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि वह हमेशा से जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देती रही हैं। उन्होंने कहा कि शहर की जनता की भावनाओं और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को शासन तक पहुंचाना और उनका समाधान कराना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है, और वह आगे भी इसी तरह जनहित के लिए काम करती रहेंगी। शहर में हाउस टैक्स बढ़ने की आशंका से लोग चिंतित थे। ऐसे में पुरानी दरों पर ही टैक्स वसूली का निर्णय गाजियाबाद के लाखों मकान मालिकों के लिए राहत भरा साबित होगा। इससे लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा।

मुख्यमंत्री और शासन का जताया आभार

करंट क्राइम : महापौर ने इस निर्णय के लिए योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश सरकार और शासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार के सकारात्मक सहयोग से ही गाजियाबाद की जनता को यह राहत मिल पाई है। महापौर ने कहा कि नगर निगम गाजियाबाद हमेशा जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेता है और आगे भी शहर के विकास के साथ-साथ नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता देता रहेगा।

समाजवादी पार्टी की मेहनत का दिखा असर, जनप्रतिनिधियों को दिखाया आईना : अभिषेक गर्ग

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अभिषेक गर्ग ने हाउस टैक्स के मुद्दे पर पुरानी दरों पर टैक्स जमा करने की राहत दिए जाने पर महापौर सुनीता दयाल का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि गाजियाबाद के सामाजिक संगठनों, स्थानीय लोगों और राजनीतिक दलों द्वारा लगातार उठाई गई आवाज का ही यह परिणाम है कि नगर निगम को यह फैसला लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह मामला जनप्रतिनिधियों को आईना दिखाने वाला भी है और इससे यह साबित हुआ है कि जनता के मुद्दों पर संघर्ष करने से ही परिणाम सामने आते हैं। सपा नेता अभिषेक गर्ग ने समाजवादी पार्टी के पार्षद बिल्लू यादव द्वारा सदन में इस्तीफा देने के कदम की सराहना करते हुए कहा कि इससे यह स्पष्ट हुआ कि समाजवादी पार्टी के नेता जनता के हितों के लिए किसी भी स्तर तक लड़ाई लड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अब यह स्पष्ट होना चाहिए कि महापौर द्वारा दी गई यह राहत स्थायी है या अस्थायी। साथ ही उन्होंने गाजियाबाद की जनता को भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी आगे भी जनता के हर मुद्दे पर उनकी आवाज उठाती रहेगी।

हाउस टैक्स पर फैसला जनता की एकजुटता की जीत : राजेंद्र त्यागी

करंट क्राइम : भारतीय जनता पार्टी के पूर्व व वरिष्ठ पार्षद राजेंद्र त्यागी ने महापौर द्वारा हाउस टैक्स के मुद्दे पर लिए गए फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला जनता के एकजुट संघर्ष का परिणाम है। राजेंद्र त्यागी ने कहा कि जिस तरह हाउस टैक्स बढ़ाने का निर्णय लिया गया था, उससे आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की आशंका थी और इसका व्यापक विरोध भी सामने आ रहा था। जनता की भावनाओं और विरोध को देखते हुए नगर निगम, प्रशासन और शासन को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि हाउस टैक्स में बढ़ोत्तरी का फैसला धरातल पर लागू होता तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ता। इसलिए यह जरूरी था कि जनभावनाओं का सम्मान किया जाए। पूर्व पार्षद ने कहा कि यह निर्णय पहले ही बिना किसी विवाद या संघर्ष के लिया जाना चाहिए था, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़ता। फिलहाल उन्होंने महापौर सुनीता दयाल द्वारा उठाए गए इस कदम को जनहित में लिया गया सराहनीय और स्वागत योग्य निर्णय बताया है।

क्या हाउस टैक्स वाली स्टोरी में आ सकता है ट्विस्ट

अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों के पास अभी पहुंची नहीं है वो लिस्ट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मेयर सुनीता दयाल बोर्ड की बैठक के बाद शासन तक पहुंच गईं। ऐसा लग रहा है कि आर-पार की लड़ाई का ऐलान हुआ और फिर सीधे सीधे शासन से बात हुई। मेयर ने बयान जारी किया, प्रेसनोट जारी किया और कहा कि हाउस टैक्स नहीं बढ़ेगा। पुरानी दरों पर ही जमा होगा। लेकिन यहां एक सवाल,एक संशय लगातार उठ रहा है कि क्या हाउस टैक्स की स्टोरी में फिर से ट्विस्ट तो नहीं आ जायेगा। इसके पीछे कुछ चेहरे तर्क ये दे रहे हैं कि पहले भी आदेश हुए। पहले भी मेयर ने सदन में खुद ऐलान किया कि हाउस टैक्स नहीं बढ़ेगा, लेकिन बढ़ गया।

उन्होंने कहा कि सर्वसम्मति से प्रस्ताव निरस्त है फिर भी लोगों के पास संदेश पहुंचे। निगम के कर्मचारी उनके घर पहुंचे। हाउस टैक्स की नई दरों के बिल दिये और लोगों ने जमा भी कराये। अब सवाल यही उठ रहा है कि क्या हाउस टैक्स की स्टोरी में फिर से कोई ट्विस्ट तो नहीं आयेगा। सूत्र बताते हैं कि मेयर ने प्रेसनोट जारी किया और उनके ऑफिशियल एकाउंट से प्रेसनोट जारी होने के बाद अधिकारी खेमे में हलचल मच गई और यहां एक संशय जो जनता के मन में है वो ये है कि कहीं पहले ही तरह ऐसा ना हो जाये। कि जनता अपना मन बनाकर टैक्स जमा कराने जाये और वहां जाकर पता चले कि कोई टैक्स कम नहीं हुआ है और उन्हीं दरों पर जमा होगा। आम जनता को छोड़ो और इस सी के सबसे बड़े गवाह तो खुद पूर्व मेयर आशु वर्मा रहे हैं। उन्होंने अपने घर का टैक्स जमा कराने के लिए अपने कर्मचारी को भेजा था और वहां बैठे निगम कर्मचारी ने साफ कह दिया था कि साफ्टवेयर पुरानी दरों को नहीं ले रहा है औरआपको नई दरों पर ही टैक्स जमा कराना होगा। वहीं अब ये भी एक इंतजार है कि अफसर अपना कैलकुलेशन कैसे बतायेंगे। क्योंकि मेयर का कैलकुलेशन अपना है और अधिकारियों का कैलकुलेशन अपना है।

मेयर जिस तरह एक झटके में शासन से प्रस्ताव पास कराकर लाने की बात कर रही हैं। अभी उसे लेकर सरकारी अधिकारियों का माइंड सेट नहीं होगा क्योंकि अचानक से कोई प्रक्रिया पूरी नही हो जाती है इसमें समय लगता है। हाउस टैक्स को लेकर अभी भी कन्फ्यूजन बना हुआ है और असली पता तब चलेगा जब लोग टैक्स जमा कराने पहुंचेंगे। इसके अलावा भले ही दर पुरानी हो लेकिन दस साल पुराने बीस साल पुराने मकान वाला रूल तो वही रहेगा। इसलिए कानूनी दृष्टि से अभी पेंच फंसा माना जा रहा है।

मेयर का फैसला आम जनता की बड़ी जीत, नहीं देना पड़ेगा बढ़ा हुआ हाउस टैक्स : वीरेंद्र सारस्वत

करंट क्राइम : भाजपा नेता वीरेंद्र सारस्वत ने कहा कि महापौर सुनीता दयाल द्वारा हाउस टैक्स की बढ़ी हुई दरों को लागू न करने की घोषणा शहर की लाखों जनता के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने इसे आम नागरिकों की जीत बताया है। वीरेंद्र सारस्वत ने कहा कि मेयर के इस फैसले से अब शहर के लोगों को बढ़े हुए टैक्स का बोझ नहीं उठाना पड़ेगा। इससे मध्यम वर्ग और आम परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा तथा जनता पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि महापौर ने जिस तरह लाखों नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है, वह सराहनीय और सकारात्मक पहल है। साथ ही कहा कि इस मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों, पूर्व पार्षदों और पूर्व महापौरों द्वारा जो गंभीरता दिखाई गई, उसका भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सभी के प्रयासों से ही यह फैसला संभव हो सका है, जिससे शहर की जनता को बड़ी राहत मिली है।

हाउस टैक्स वृद्धि पर रोक से शहर में खुशी, सत्य की हुई जीत : हिमांशु शर्मा

करंट क्राइम : हाउस टैक्स वृद्धि के फैसले पर रोक लगने के बाद शहर में खुशी का माहौल है। भाजपा पार्षद पंडित हिमांशु शर्मा ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि महापौर सुनीता दयाल के प्रयासों से यह संभव हो पाया है कि अब शहरवासियों से हाउस टैक्स पुरानी दरों पर ही वसूला जाएगा, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। पार्षद हिमांशु शर्मा ने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महापौर सुनीता दयाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन होती है और आज यह बात एक बार फिर सिद्ध हुई है।

समाजवादियों की एकजुटता का नतीजा: वीरेंद्र यादव

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने कहा कि हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के खिलाफ समाजवादी पार्टी द्वारा किया गया आंदोलन ही आज के फैसले की असली वजह है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की बैठक वाले दिन सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने निगम का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया था और जनता की आवाज बुलंद की थी। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं का पुलिस से आमना-सामना भी हुआ, लेकिन इसके बावजूद समाजवादी कार्यकर्ता पीछे नहीं हटे। इसी जनदबाव का परिणाम है कि आज गाजियाबाद नगर निगम को अपना फैसला वापस लेना पड़ा। सपा महानगर अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जनता के हितों के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी इसी तरह आम जनता की आवाज को बुलंद करती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की मनमानी नहीं चलने दी जाएगी और जनता के हितों की रक्षा के लिए पार्टी लगातार संघर्ष करती है।

मेयर ने भावनाओं का रखा सम्मान : शशि गौतम

करंट क्राइम : नगर निगम की पार्षद शशि गौतम ने महापौर सुनीता दयाल द्वारा हाउस टैक्स के विषय में लिए गए फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि महापौर ने इस मुद्दे पर फैसला लेते समय न सिर्फ आम जनता के हितों का ध्यान रखा, बल्कि जनप्रतिनिधियों की भावनाओं का भी पूरा सम्मान किया है। पार्षद शशि गौतम ने कहा कि नगर निगम सदन में अधिकांश पार्षद हाउस टैक्स बढ़ाए जाने को लेकर चिंतित थे और जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका जता रहे थे। ऐसे में महापौर द्वारा लिया गया यह निर्णय राहत देने वाला है। उन्होंने कहा कि यह फैसला जनता की भावनाओं के अनुरूप है और इससे शहरवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसलिए इस निर्णय का सभी पार्षद स्वागत करते हैं।

महापौर सुनीता दयाल का फैसला सराहनीय, पुरानी दरों से हाउस टैक्स जमा करने का निर्णय जनहित में : इन्द्रजीत सिंह टीटू

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मेरठ मंडल प्रभारी इन्द्रजीत सिंह टीटू ने महापौर सुनीता दयाल द्वारा हाउस टैक्स पुरानी दरों से जमा करने के निर्णय का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी है। इन्द्रजीत सिंह टीटू ने कहा कि गाजियाबाद में हाउस टैक्स को लेकर कई दिनों से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी और लगातार बैठकों का दौर चल रहा था। जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ शहर की जनता भी चाहती थी कि इस मामले में जनभावनाओं का सम्मान किया जाए।उन्होंने कहा कि महापौर सुनीता दयाल ने गाजियाबादवासियों की भावनाओं और शहर के हित को ध्यान में रखते हुए मजबूत निर्णय लिया है कि हाउस टैक्स अब पुरानी दरों से ही जमा किया जाएगा। यह फैसला शहर की जनता को बड़ी राहत देने वाला है। टीटू ने कहा कि केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल की ओर से इस जनहितकारी निर्णय के लिए महापौर को बधाई दी जाती है। उनका यह निर्णय गाजियाबाद की जनता के हित में उठाया गया सराहनीय कदम है।

संघर्ष और मेहनत कभी बेकार नहीं जाती : गौरव सोलंकी

करंट क्राइम : गाजियाबाद की जनता के हित में हाउस टैक्स वृद्धि से राहत दिलाने के लिए पार्षद गौरव सोलंकी ने उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गाजियाबाद की महापौर सुनीता दयाल एवं कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का हृदय से आभार और वंदन किया है। उन्होंने कहा है कि शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि हाउस टैक्स पुरानी दरों पर ही वसूला जाएगा, जो गाजियाबाद की जनता और जनप्रतिनिधियों के संघर्ष की बड़ी जीत है। इस ऐतिहासिक निर्णय पर गाजियाबाद के प्रत्येक नागरिक को हार्दिक बधाई भी दी गई है।

जनता के हितों की हर लड़ाई सदन से सड़क तक पूरी मजबूती से लड़ी जाएगी: डॉ. अनिल तोमर

करंट क्राइम : शहर में बढ़ाए गए हाउस टैक्स के मुद्दे पर डॉ. अनिल तोमर ने पुरजोर विरोध दर्ज कराया था। डॉ. तोमर ने साफ कहा कि बढ़े हुए टैक्स का बोझ जनता पर डालना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे जनता की समस्याओं को सदन में मजबूती से रखें और उनके हितों की रक्षा करें। डॉ. अनिल तोमर ने स्पष्ट किया कि जनता के हितों से जुड़े मुद्दों पर वह हमेशा खुलकर आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो जनता के अधिकारों की लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक पूरी मजबूती के साथ लड़ी जाएगी।

नगर निगम ने पहले भी घोषणा की थी : सतीश शर्मा

करंट क्राइम। कांग्रेस जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा डसना ने कहा कि महापौर सुनीता दयाल ने इससे पहले भी कई बार घोषणा की थी कि गाजियाबाद के निवासियों को नए रेट पर हाउस टैक्स नहीं देना है। ऐसे में इस बात की क्या गारंटी?

भाजपा और नगर निगम बेनकाब : विजेंद्र यादव

करंट क्राइम। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष और प्रदेश महामंत्री विजेंद्र यादव ने कहा कि हाउस टैक्स को लेकर भाजपा और नगर निगम और महापौर बेनकाब हो चुकी है। गाजियाबाद की जनता सब समझ चुकी है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत सरकार का बड़ा कदम

एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश घरेलू उपभोक्ताओं को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता के बीच भारत सरकार ने रसोई गैस की आपूर्ति सुरक्षित रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने देश की तेल रिफाइनरियों को एलपीजी यानी रसोई गैस का उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति में प्राथमिकता दी जाए। सरकार का मानना है कि अगर पश्चिम एशिया का संकट और गहराता है तो ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, इसलिए पहले से तैयारी जरूरी है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका है। भारत अपनी बड़ी एलपीजी जरूरत आयात से पूरी करता है और इसका

बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। इसी वजह से सरकार ने रिफाइनरियों को अधिक एलपीजी उत्पादन करने और अतिरिक्त गैस को घरेलू उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता क्यों दी गई? : सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होती है तो सबसे पहले घरेलू उपभोक्ताओं की जरूरत पूरी की जाएगी। इसी उद्देश्य से घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग के बीच 25 दिनों का अंतर अनिवार्य किया गया है। यह कदम जमाखोरी और घबराहट में ज्यादा सिलेंडर बुक करने की प्रवृत्ति को रोकने के लिए उठाया गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य क्यों है अहम? : भारत की बड़ी मात्रा में एलपीजी और कच्चा तेल पश्चिम एशिया से आयात होता है। इन आपूर्तियों का बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक माना जाता है। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने पर इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ जाता है, जिससे ऊर्जा आपूर्ति बाधित हो सकती है।

उद्योग और होटल सेक्टर पर क्या असर पड़ सकता है? : सरकार ने गैर-घरेलू एलपीजी आपूर्ति की भी समीक्षा शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार होटल, रेस्तरां और उद्योगों को मिलने वाली गैस की आपूर्ति पर नजर रखी जा रही है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता देने के लिए इन क्षेत्रों में आपूर्ति सीमित की जा सकती है।

पश्चिम एशिया तनाव का असर: गैस संकट के चलते गुजरात में औद्योगिक आपूर्ति में कटौती

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण देश के कई राज्यों को एलपीजी गैस की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कमी ने देश भर के होटल और रेस्तरां के संचालन को प्रभावित है। वहीं गुजरात में औद्योगिक गैस आपूर्ति में भी कटौती की गई है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

पुदुचेरी के कुछ होटलों ने कम ईंधन वाले मेन्यू अपनाना शुरू कर दिया है। एक होटल मालिक ने बताया कि उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण वाणिज्यिक सिलिंडरों की कमी को प्रबंधित करने के लिए कड़े उपाय किए हैं। अब वे शाम चार बजे से सात बजे के बीच ही कॉफी, चाय या जूस बेच रहे हैं। एलपीजी डीलरों के अनुसार, केंद्र सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता पर एलपीजी आपूर्ति का आदेश दिया है। वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडरों की आपूर्ति निलंबित कर दी गई है। एक होटल कारोबारी ने बताया कि उन्होंने

भविष्य में समस्या न हो, इसके लिए रणनीति बनाई है। हालांकि, मौजूदा स्टॉक से वे स्थिति संभाल रहे हैं। उन्होंने बैंक्वेट बुक करने वालों को भोजन की निर्बाध आपूर्ति का आश्वासन दिया है। लेकिन, कमरे बुक करने वालों को भोजन आपूर्ति में कठिनाई की जानकारी दी जा रही है। बाहर का भोजन लाने की अनुमति नहीं है। एक होटल कारोबारी ने डीलर से वाणिज्यिक सिलिंडरों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया। डीलर ने अपनी लाचारी व्यक्त की और स्थिति में सुधार का इंतजार करने को कहा। एक होटल कारोबारी को छह सिलिंडरों की आवश्यकता थी, लेकिन उनके पास केवल तीन का स्टॉक था। उन्होंने तत्काल भविष्य में स्थिति से निपटने पर चिंता जताई।

पुदुचेरी के कई होटलों ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडरों की कमी के कारण अपने सेवा कार्यक्रम में बदलाव किया है।

मुरादाबाद में होटल-रेस्टोरेंट में कॉमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई रोकी

मुरादाबाद। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर गैस सिलिंडर पर पड़ने वाला है। हालात के देखते हुए इंडियन गैस सर्विस ने होटलों और रेस्टोरेंट में 19 किग्रा के कॉमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई पर रोक लगा दी है। यहां भी घरेलू गैस की सप्लाई की जाएगी। यह निर्णय सोमवार को इंडियन गैस सर्विस से जुड़े एजेंसी संचालकों की ऑनलाइन मीटिंग में लिया गया। शहर में छोटे बड़े 200 से ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट हैं। जहां किचन की सुविधा है। कुछ के पास पीएनजी कनेक्शन है। जबकि अधिकांश के किचन कॉमर्शियल सिलिंडर के सहारे चलते हैं। इसके अलावा शहर में पांच हजार से ज्यादा स्ट्रीट फूड संचालक हैं। इनमें भी सिलिंडर का इस्तेमाल करने वालों की संख्या ज्यादा हैं। युद्ध को देखते हुए गैस एजेंसियों ने घरेलू गैस की बुकिंग की अवधि पहले ही बढ़ा दी है। बुकिंग के दूसरे या तीसरे दिन में मिल जाने वाले सिलिंडर अब 25 से 30 दिन बाद मिलेंगे।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

बीजेपी ने 11 मार्च के लिए सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को विपक्ष स्पीकर ओम बिरला को पद हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया। 50 से ज्यादा सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। इसके बाद पीठासीन ने प्रस्ताव पेश करने की परमिशन दे दी। अब इस प्रस्ताव पर 10 घंटे चर्चा चल रही है। विपक्ष ने ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात करने का आरोप लगाया है।

बहस की शुरूआत कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोक-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। उन्होंने अपनी स्पीच में एक आर्टिकल का हवाला दिया। इस पर उन्हें मना किया गया, लेकिन सत्ता पक्ष के सांसदों ने भारत में बैन किताबें सदन में दिखाईं। उनसे कुछ नहीं कहा गया। इस तरह का भेदभाव स्वीकार नहीं है।

गोगोई ने बिरला पर भेदभाव के 3 आरोप लगाए : 2 फरवरी को नेता विपक्ष राहुल गांधी जब बोल रहे थे, तब उन्हें बार-बार रोका गया। स्पीकर सर ने उनके तर्क पर सबूत देने का कहा। 9 फरवरी को शशि थरूर जब बोल रहे थे, तब उनका माइक बंद कर दिया गया। सरकार ने कहा कि बोलिए, लेकिन हम कैसे बोल सकते हैं जब माइक ऑफ किया गया हो। संसद में ऐसी नई-नई चीजें हो रही हैं।

आज महिला सांसदों के उद्देश्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ओम बिरला जी ने पीएम मोदी के समय कहा था कि महिला सांसदों ने पीएम की चेयर घेर ली है। उनके साथ कुछ भी हो सकता था। ये बहुत ही शर्मनाक बात है। बिरला ने किस आधार पर महिला सांसदों पर ये आरोप लगाए।

रिजिजू ने कहा- जब सेशन चलता है तो राहुल विदेश चले जाते हैं : संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इन लोगों ने पहले आरोप लगाया कि छङ्ढ को बोलने नहीं दिया जाता है। मैं कहता हूं 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष अपनी बात बोल के सदन से भाग जाते हैं। किसी और की बात नहीं सुनते हैं। फिर कहते हैं कि मुझे बोलने नहीं दिया जाता है।

पहली बार मैंने ऐसा दृश्य देखा कि नेता प्रतिपक्ष पीएम को गले लगा रहा है। अपनी सीट पर बैठकर अपने सांसद को आंख मारता है। जैसा लीडर है तो बाकी के सांसद भी वैसे ही होंगे। मेंबर चेयर को यार कहते हैं। फिर कहतें हैं कि इसमें गलत क्या है (वेणुगोपाल ने चेयर को यार कहा था।

प्रियंका को छङ्ढ बनाते तो कुछ अच्छा होता। देखिए प्रियंका हंस रही हैं। जो अच्छा व्यवहार करे तो उसकी सराहना करनी चाहिए। विपक्ष ने हंगामा किया। रिजिजू बोले- मैंने अच्छा बोला है। कांग्रेस क्यों नाराज हो रही है।

प्रियंका ने कहा- राहुल की सच्चाई इनसे पचती ही नहीं है : प्रियंका गांधी ने कहा कि एक ही व्यक्ति है इस देश में जो इन 12 सालों में इनके सामने झुका नहीं। वह नेता प्रतिपक्ष है। और वो नेता प्रतिपक्ष इस सदन में खड़े होके इनके सामने सच बोल देते हैं। सच्चाई वो जो बोलते हैं वह इनसे पचती नहीं है।

उत्तम नगर हत्याकांड: तरुण के परिवार से मिलीं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

बोलीं- दोषियों को छोड़ेंगे नहीं, दे दिया ये आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तम नगर की दुखद घटना में जान गंवाने वाले तरुण के परिजनों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि सरकार इस मुश्किल समय में उनके साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया कि तरुण के परिवार का दुख बहुत गहरा है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस जघन्य अपराध में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। सरकार उन्हें पूरा सहयोग देगी। दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। न्याय सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस मामले में कोई ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आरोपियों को जल्द से जल्द कानून के कटघरे में खड़ा किया जाए। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़ित परिवार को न्याय मिले। यह घटना समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। सरकार ऐसे अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी।

मार्च की शुरुआत में ही चढ़ने लगा पारा

हिमाचल में लू और राजस्थान-गुजरात में गर्म हवा की चेतावनी

पहाड़ी इलाकों में तेज हवाएं चलने का अनुमान

पूर्वोत्तर भारत में आंधी तूफान की आशंका

नई दिल्ली। देश के अधिकतर हिस्सों में मौसम के तेवर तीखे होते जा रहे हैं। जहां उत्तर और पश्चिम में तापमान बढ़ने के साथ लू (हीटवेव) की स्थिति बनने लगी है, वहीं पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों में आंधी-तूफान, वज्रपात और हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में भीषण लू की चेतावनी दी है, जबकि राजस्थान, सौराष्ट्र-कच्छ और गुजरात के कई इलाकों में अगले कुछ दिनों तक गर्म हवाएं चल सकती हैं। इस साल मार्च की शुरूआत में ही राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में गर्मी ने लोगों को हैरान कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में धूप इतनी तेज महसूस हो रही है कि मौसम अप्रैल जैसा लगने लगा है। आमतौर पर मार्च में तापमान अपेक्षाकृत कम रहता है, लेकिन इस बार गर्मी ने जल्दी दस्तक दे दी है।

मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया

है, जो इस समय के लिए सामान्य से अधिक माना जा रहा है।

मौसम विभाग के अनुसार देश के कुछ हिस्सों में लू या हीटवेव की स्थिति बन सकती है। हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में आज भीषण लू चलने की आशंका जताई गई है। इसके अलावा आने वाले दिनों में विदर्भ, पश्चिम राजस्थान, सौराष्ट्र-कच्छ, उत्तर गुजरात और मराठवाड़ा में भी गर्म हवाएं चलने की संभावना है। इन क्षेत्रों में दिन का तापमान सामान्य से कई डिग्री अधिक दर्ज किया जा सकता है, जिससे हीटवेव जैसी स्थिति बन सकती है।

पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है। इसका असर मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर और आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों में देखने को मिल सकता है। इसके अलावा उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम भी सक्रिय है, जिसके कारण ऊपरी वायुमंडल में तेज हवाएं चल रही हैं। इसका असर पहाड़ी इलाकों पर पड़ सकता है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद के कुछ इलाकों में बिजली गिरने, 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और हल्की बौछारें पड़ने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत में एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, जो असम और आसपास के क्षेत्रों के ऊपर लगभग 1.5 किमी की ऊंचाई पर स्थित है। इसके साथ ही एक ट्रफ रेखा बिहार से दक्षिण छत्तीसगढ़ तक झारखंड के ऊपर से होकर गुजर रही है। इससे पूर्वी हिस्सों में बादल बनने और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार ओडिशा, झारखंड, बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में गरज-चमक, तेज हवाओं और हल्की बारिश की संभावना है।

युद्ध का असर: जरी की चमक पर बारूद की धुंध

100 करोड़ का माल अटका, बरेली मंडल के छह लाख कारीगर प्रभावित

बरेली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध ने बरेली मंडल के जरी-जरदोजी कारोबार को भी बड़ा झटका दिया है। करीब 100 करोड़ का माल एयरपोर्ट, गोदाम और फैक्टरियों में फंस गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से लगाए जाने वाले डेमरेज (विलंब शुल्क) से बचने के लिए कारोबारी माल को शिफ्ट करने में जुटे हैं। ईद और सहालग के बीच निर्यात रुकने से बरेली मंडल के करीब छह लाख कारीगर भी प्रभावित हुए हैं।

मंडल के बरेली, पीलीभीत, बदायूं, शाहजहांपुर जिलों में जरी-जरदोजी का बड़ा कारोबार है। अकेले

बरेली में करीब छह लाख कारीगर हैं। यहां तैयार माल का पश्चिम एशिया के देशों ईरान, इराक, सउदी अरब, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, लीबिया, कतर, ओमान, जार्डन, तुर्किये आदि में निर्यात होता है। पिछले साल ईद से पहले मंडल से करीब 125 करोड़ का माल इन देशों को भेजा गया था। इस साल युद्ध की वजह से 25-30 करोड़ का माल ही निर्यात हो पाया। जरी-जरदोजी कारोबारियों का कहना है कि इस बार भी अच्छे कारोबार की उम्मीद थी, लेकिन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिम एशिया को जाने वाली फ्लाइटें रोक दी गईं।

एयरपोर्ट बंद कर दिए गए। जो माल दिल्ली एयरपोर्ट भेजा था, वह रुक गया। रोजाना आठ-दस हजार रुपये डेमरेज लगने लगा। इससे उनको माल या तो वापस मंगवाना पड़ा या फिर दिल्ली में गोदाम की व्यवस्था कर वहां रखवाना पड़ा। करीब 100 करोड़ का माल फंसा हुआ है। उपायुक्त उद्योग विकास यादव के मुताबिक, युद्ध के कारण जरी-जरदोजी कारोबार को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। जब तक हालात सामान्य नहीं होते और एयरपोर्ट नहीं खुलते, तब तक माल का निर्यात मुश्किल ही दिख रहा है।

ईरान, दुबई, तुर्किये में सबसे ज्यादा मांग : कारोबारियों के मुताबिक, जरी-जरदोजी से तैयार माल की सबसे ज्यादा मांग ईरान, दुबई, तुर्किये में है। इन देशों से ही आसपास के छोटे देशों के करीब 5,000 कारोबारी माल खरीदते हैं। ईद के बाद मुस्लिम समाज में शादियों का दौर शुरू हो जाएगा।

ईरान युद्ध के बीच एलपीजी आपूर्ति पर पीएम मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली। ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच युद्ध के कारण रसोई गैस (एलपीजी) की आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में रसोई गैस की संभावित कमी से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई।

सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के असर देश के उपभोक्ताओं को बचाने के लिए रणनीतिक योजना पर काम करना शुरू कर दिया है। मौजूदा संकट की वजह होर्मुज जलडमरूमध्य का बंद होना बताया जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई व ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह समुद्री मार्ग बंद हो गया है। यह मार्ग भारत की उर्जा सुरक्षा के लिए बहुत अहम है, क्योंकि देश अपनी कुल एलपीजी जरूरत का करीब 62 फीसदी आयात करता है।

भारत में हर साल करीब 31.3 मिलिटन टन एलपीजी की खपत होती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एलपीजी वितरण को दो हिस्सों में बांटा है। घरेलू क्षेत्र यानी घरों में इस्तेमाल होनी वाली गैस कुल खपत का 87 फीसदी है। वहीं, होटल, रेस्तरां और उद्योग जैसे व्यावसायिक क्षेत्र 13 फीसदी गैस का इस्तेमाल करते हैं।

सरकार ने आम लोगों और घरों को ध्यान में रखे हुए घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है। इसकी वजह बाजार कीमत पर मिलने वाले वाणिज्यिक सिलेंडर पर निर्भर होटल, रेस्तरां और उद्योगों को भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कमी का असर मुंबई और बंगलूरू जैसे बड़े शहरों में भी दिखने लगा है। इस पर इंडिया होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने भी चिंता जताई है।

कोविड वैक्सीन के दुष्प्रभाव पर 'सुप्रीम' निर्देश केंद्र सरकार को मुआवजा नीति बनाने को कहा

नई दिल्ली। कोविड-19 वैक्सीन से जुड़े गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। अदालत ने मंगलवार को कहा कि सरकार ऐसी नीति तैयार करे, जिसके तहत कोविड वैक्सीन लेने के बाद अगर किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान होता है तो उसे नो-फॉल्ट मुआवजा दिया जा सके।

यह फैसला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल टीकाकरण के बाद होने वाले दुष्प्रभावों की निगरानी के लिए जो मौजूदा व्यवस्था है, वही जारी रहेगी। इसके लिए किसी नए अदालत द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ पैनल की जरूरत नहीं है।

केंद्र सरकार से क्या बोला सुप्रीम कोर्ट : इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अगर किसी व्यक्ति को वैक्सीन के कारण नुकसान हुआ है तो वह कानून के तहत उपलब्ध अन्य कानूनी रास्तों का भी इस्तेमाल कर सकता है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि नो-फॉल्ट मुआवजा की नीति बनाना सरकार की गलती या जिम्मेदारी मानने के बराबर नहीं होगा।

अब समझिए क्या है पूरा मामला : दरअसल, अदालत में कई याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इनमें एक याचिका में आरोप लगाया गया था कि साल 2021 में कोविशील्ड वैक्सीन की पहली डोज लेने के बाद दो महिलाओं की मौत हो गई थी। याचिका में कहा गया था कि दोनों को टीकाकरण के बाद गंभीर दुष्प्रभाव हुए थे। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को मुआवजे से जुड़ी नई नीति बनाने का निर्देश दिया है।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 • नई दिल्ली | बुधवार 11 मार्च -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

करंट क्राइम ट्वीट का करंट

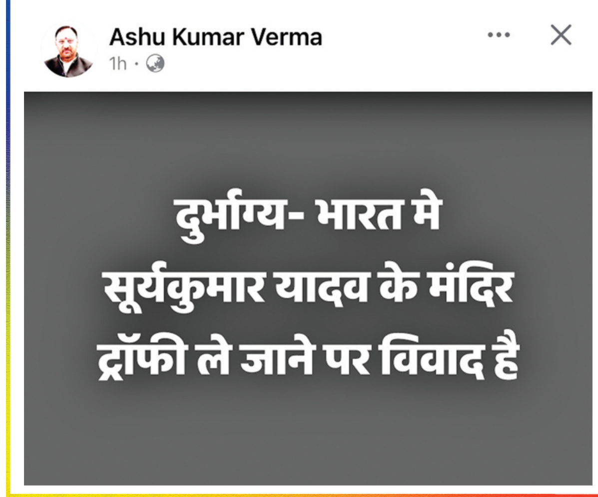

कमिश्नरेट बनने के बाद भी नहीं थम रहे सड़क हादसे, हर साल बढ़ रही मौतों की संख्या

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद , करंट क्राइम : तेजी से विकसित हो रहे गाजियाबाद में जहां एक ओर हाई स्पीड एक्सप्रेसवे, चौड़ी सड़कों और आधुनिक यातायात व्यवस्था का विस्तार हो रहा है, वहीं दूसरी ओर सड़क हादसों के मामले लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम लागू होने के बाद पुलिस और यातायात कर्मियों की संख्या में इजाफा जरूर हुआ है, लेकिन इसके बावजूद सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। पुलिस के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन वर्षों में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ी है। वर्ष 2023 में गाजियाबाद में अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में 365 लोगों की जान गई थी। इसके बाद वर्ष 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 381 तक पहुंच गया, जबकि वर्ष 2025 में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या 400 तक पहुंच गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि हाई स्पीड, रॉग साइड, ट्रिपिलिंग, कोहरा, सड़क पर गड्ढे, लापरवाही से वाहन चलाना और यातायात नियमों की अनदेखी इन दुर्घटनाओं की प्रमुख वजह बन रही है। यही कारण है कि लगातार अभियान चलने के बावजूद हादसों के आंकड़ों में कमी नहीं आ पा रही है।

घायलों की संख्या में भी लगातार बढ़ोत्तरी

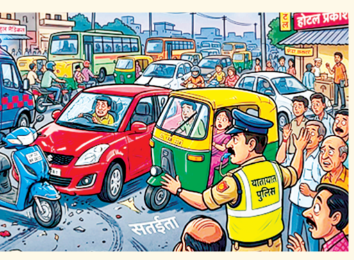

करंट क्राइम : सड़क हादसों में केवल मौतों की संख्या ही नहीं बढ़ रही, बल्कि घायल होने वालों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। वर्ष 2023 में गाजियाबाद में 703 लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए थे। वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 781 हो गई, जबकि वर्ष 2025 में जनवरी से दिसंबर के बीच 849 लोग अलग-अलग हादसों में घायल हुए। इनमें कई लोगों को गंभीर चोटें भी आई। यातायात विशेषज्ञों का कहना है कि शहर में तेजी से बढ़ते वाहन, हाई स्पीड एक्सप्रेसवे और नियमों का पालन न करना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण बनते जा रहे हैं।

लगातार चलाए जा रहे हैं अभियान : डीसीपी

करंट क्राइम : यातायात पुलिस के डीसीपी त्रिगुण बिसेन का कहना है कि सड़क हादसों को कम करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं।

यातायात नियमों के पालन को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और ट्रांसपोर्टर तथा ऑटो यूनियनों के साथ बैठकें भी की जाती हैं। डीसीपी ट्रैफिक के अनुसार परिवहन विभाग और नेशनल हाईवे अथॉरिटी के साथ मिलकर भी सड़क सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में काम किया जा रहा है। शहर में चिन्हित 13 बड़े हॉटस्पॉट को समाप्त करने की दिशा में कार्य जारी है और हाईवे पर भी अतिरिक्त सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। पर सवाल उठ रहे हैं कि लगातार बढ़ते हादसों के आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं कि सड़क सुरक्षा को लेकर और अधिक सख्त और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल पुलिस या प्रशासनिक प्रयासों से ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों द्वारा यातायात नियमों का पालन करने से ही दुर्घटनाओं में वास्तविक कमी लाई जा सकती है।

हादसों को रोकने के लिए बनाए गए हॉटस्पॉट

करंट क्राइम : सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए प्रशासन और यातायात पुलिस ने कई कदम उठाए हैं। शहर में दुर्घटना संभावित स्थानों को चिन्हित कर हॉटस्पॉट बनाए गए हैं। इसके अलावा 100 से अधिक स्थानों पर हाई मास्ट लाइट लगाकर अंधेरे वाले क्षेत्रों को रोशन किया गया है ताकि रात के समय होने वाले हादसों में कमी लाई जा सके। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भी यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कई इंतजाम किए गए हैं। बावजूद इसके दुर्घटनाओं की संख्या में अपेक्षित कमी नहीं आ पा रही है।

1.50 लाख रूपये जमा करने के बाद भी वेंडिंग जोन के खोखों का नहीं निकला कोई हल

वसुंधरा जोन में बनाये गये ये खोखे इंतजार में अब रहे हैं गल

खोखे समय के साथ-साथ गल रहे हैं टूट रहे हैं तो पटरी दुकानदारों की उम्मीदें भी टूट रही हैं। ये 45 दुकानदार सिर्फ इंतजार कर रहे हैं।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पटरी दुकानदारों को सरकार ने ये भरोसा दिलाया था कि उन्हें नगर निगम द्वारा खोखे आवंटित किये जायेगे। खोखा मार्किट को लेकर ये योजना बनी थी कि इस तरह से खोखों का आवंटन होगा कि जाम भी ना लगे और लोगों को रोजगार भी मिल जाये। निगम को राजस्व भी प्राप्त हो। इसके लिए बाकायदा वेंडिंग जोन बनाने का प्लान हुआ। वेंडिंग जोन कमेटी भी बनाई गई। फिर इंतजार बढने लगा। शहर में तो दो स्थानों पर खोखे आवंटित हो गये। नवयुग मार्किट में ये खोखे स्थापित भी हुए और इनमें लोग रोजगार भी कर रहे हैं। बीच शहर में कन्या वैदिक स्कूल के पास ये खोखे लोगों को मिले। लेकिन नदिया पार में पटरी दुकानदारों के पैसे भी जमा हो गये और उनके हिस्से में खोखे नहीं इंतजार आया। वसुंधरा में वेंडिंग जोन प्रस्तावित है और बडी बात ये है कि खोखों का निर्माण भी हो गया लेकिन खोखे अब गलने लगे हैं। इस वेंडिंग जोन के लिए दुकानदारों से एक लाख तीस हजार प्रति खोखे के हिसाब से जमा करवाये गये थे। सब कुछ फेयर है लेकिन इंतजार की घड़िया लंबी हो रही हैं। वसुंधरा सेक्टर 15 में वेंडिंग जोन स्थापित किया जाना था। लेकिन फिलहाल जो खोखे बने हैं वो वसुंधरा सेक्टर 10 में नगर निगम जोनल कार्यालय के पास बनकर तैयार हैं। इसी तरह वसुंधरा के ही सेक्टर 3 में पानी की टंकी के पास ये खोखे खडे हैं। अभी इन खोखों का नंबर नहीं आया लेकिन इंतजार करते करते ये खोखे अब गलने लगे हैं। पटरी दुकानदार इंतजार में हैं कभी तो बहार आयेगी।

बताते हैं कि खोखों के लिए एक लाख तीस हजार रूपये देने वाले एक या दो लोग नहीं बल्कि 45 लोग हैं। इस हिसाब से 60 लाख से भी अधिक रूपये नगर निगम के खाते में पटरी दुकानदारों के जमा है। कब खोखा मिलेगा, ये भी नहीं पता।

कौन सा वेंडिंग जोन है ये भी नहीं पता और अब जब ये खोखे समय के साथ-साथ गल रहे हैं टूट रहे हैं तो पटरी दुकानदारों की उम्मीदें भी टूट रही हैं। ये 45 दुकानदार सिर्फ इंतजार कर रहे हैं।

शहर विधायक का बदल गया है पता
अब सिद्धार्थ विहार सेक्टर-7सी/133 में होगी उनसे मुलाकात

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा अब नदिया पार से नहीं बल्कि लाईन पार के स्थाई निवासी हो गये हैं। उन्होंने वो मकान भी छोड़ दिया है जो मकान उन्हें चुनाव के दौरान स्कूल वाले नागर जी ने दिया था। अब स्कूल वाले यशवीर नागर के भवन पर जनता से मुलाकात नहीं होगी। अब विधायक जी अपने निवास स्थान पर मिलेंगे। शहर विधायक संजीव शर्मा का नया मकान तैयार हो गया है। उनका नया पता अब सिद्धार्थ विहार का है। यहां विशाल सहकारी आवास वाले पते सेक्टर-7सी/133 पर वो मुलाकात करेंगे। शहर विधायक संजीव शर्मा का ये अब नया पता है और यही उनका स्थाई पता भी है। विधायक बनने के बाद से ही उन्होंने प्लॉट खरीद लिया था और फिर इस पर लगातार निर्माण कार्य चल रहा था। अब उनका आलीशान भवन तैयार है। बड़ी बात ये है कि उन्होंने जो वादा लाईन पार की जनता से किया था उस पर वो खरे उतरे हैं। अब वो लाईन पार के ही स्थाई निवासी हो गये हैं। शहर विधायक संजीव शर्मा का स्थाई पता यही है और यह नगर निगम के वार्ड 51 प्रताप विहार का इलाका है।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने भी करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि इस क्षेत्र की सम्मानित जनता का सभी सदस्यों का स्वागत है। उन्होंने कहा कि वो यहीं पर रोजाना जनता से मिलेंगे। कोई भी व्यक्ति कभी भी उनके आवास पर आ सकता है। एक एक व्यक्ति उनके लिए सम्मानित है और खास है।

जब हाउस टैक्स वाले कैम्प पर पहुंच गये तीन भाजपा के लीडर
कहा बोर्ड में जारी हुई 40 प्रतिशत की छूट तो फिर यहां क्यों दे रहे हो 20 प्रतिशत की छूट

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पहले से ही इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि बोर्ड बैठक में 40प्रतिशत की छूट मिलेगी। अधिकारियों ने अलग फार्मूला बताया है और यहां सवाल वही उठा था कि जब जतना टैक्स जमा कराने जायेगी तो असली हकीकत वहीं सामने आयेगी। ऐसा हो भी गया और जब नगर निगम के कैम्प में जनता को 20प्रतिशत की छूट मिली तो उन्हें झटका लगा। उन्होंने अपने नेताओं को फोन किया और फिर नेता भी कैम्प कार्यालय पहुंचे। मामला मोहन नगर जोनल कार्यालय का है। यहां पर नगर निगम ने हाउस टैक्स जमा कराने के लिए कैम्प लगाया था और छूट देने की घोषणा की थी। जब लोग कर जमा कराने पहुचे तो पता चला कि 20प्रतिशत छूट के आदेश है और इसी छूट के साथ कर जमा होगा। जब ये खबर भाजपा नेताओं तक पहुंची तो

भाजपा के महामंत्री तथा क्षेत्रीय पार्षदपति पप्पू पहलवान भाजपा पार्षद राहुल शर्मा, भाजपा पार्षद हिमांशु शर्मा मौके पर पहुंचे। जब उन्होंने यहां पहुंचकर जोनल अधिकारी तो तलाशा तो वो नहीं मिले। वह किसी कार्य से बाहर गये हुए थे। इसके बाद इन नेताओं ने नगर निगम के बड़े अधिकारी को फोन मिलाया उन्हें पूरा मामला बताया। बताते हैं कि फोन के बाद भी छूट तो 20प्रतिशत ही रही लेकिन अधिकारी ने कह दिया कि मामले को दिखवाते हैं। सवाल फिर भी वही बाकी रहा कि अगर कोई फैसला होते ही वो लागू नहीं हो रहा और जनता कन्फ्यूज है तो फिर इसका क्या समाधान है।

तैयारियां करा रही हैं एहसास
दिनेश गोयल एमएलसी रण में नहीं टिकने देंगे किसी को अपने आस-पास!

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो पहले ही मैच में अपनी क्षमता का लोहा मनवा देते हैं। बात खेल की हो या सियासत की हो। रिकार्ड उन्हीं के नाम होते हैं जो दमदार खिलाड़ी होतेहैं। इन दिनों फिलहाल एमएलसी चुनाव की तैयारी चल रही है और एमएलसी चुनाव की बात करें तो आरकेजेआईटी कॉलेज के चेयरमैन तथा एमएलसी दिनेश गोयल ने वास्तव में एक रिकार्ड कायम किया है। ये बात रिकार्ड में दर्ज है और इस बात को कहने में कोई हर्ज नहीं है कि दिनेश गोयल ने एक नए खिलाड़ी के रूप में इस रण में उतरकर धुरंधरों को पटखनी दी। भाजपा के नाम वो शानदार जीत दर्ज कराई जो अबसे पहले भाजपा के हिस्से में नहीं आई थी। दिनेश गोयल ने अपने पहले ही चुनाव में अपने दांव से सामने वाले की रणनीति बिखेर दी। बड़ी बात ये है कि चुनाव के इस नए खिलाड़ी ने उन धुरंधरों को पटखनी दी जिनका इस सीट पर 10 वर्षों से कब्जा था। दिनेश गोयल को भाजपा ने उम्मीदवार घोषित किया और दिनेश गोयल ने यहां एक सधे हुए खिलाड़ी के रूप में अपनी तैयारी शुरू की। वो एक ऐसे योद्धा के रूप में सामने आये जिसके पास सभी अस्त्र शस्त्र थे और विपक्ष उनकी रणनीति को समझ ही नहीं सका। दिनेश गोयल ने स्वर्गीय ओमप्रकाश शर्मा और हेमराज पुण्डीर जैसे दिग्गजों को मात देते हुए केवल जीत हासिल नहीं की। उन्होंने भाजपा के खाते में शानदार जीत दर्ज कराई। एक रिकार्ड वोटों के साथ वो चुनाव जीते। चुनाव जीतने के बाद एमएलसी दिनेश गोयल ने पूरे परिक्षेत्र में अपनी निधि से विकास कराये हैं। विधान परिषद में उन्होंने जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर सवाल उठाये हैं। एक ऐसे एमएलसी के रूप से अपनी पहचान बनाई है जो हमेशा जनता के लिए उपलब्ध हैं। एक बार फिर चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं और सूत्र बताते हैं कि एमएलसी दिनेश गोयल की तैयारियां ये एहसास करा रही हैं कि वो एमएलसी वाली दौड में किसी को अपने आस पास नहीं टिकने देंगे। दिनेश गोयल शिक्षाविद हैं, समाजसेवी हैं और परोपकार का उनका एक पूरा बैकग्राउंड है। सबसे खास बात ये है कि चुनावी रणनीति को इस खिलाड़ी ने बहुत ही सुदृढ़ तरीके से तैयार किया है। एक संदेश वो दे रहे हैं कि लॉयन इज कमबैक। बीते दिनों उनके कॉलेज में एक हादसे में उनके पैर में गंभीर चोट लगी थी और इसके बाद उन्हें डॉक्टरों ने आराम करने की सख्त हिदायत दी थी। ये उनका जीवट था कि उन्होंने नब्बे दिन के भीतर फिर से वापसी की और अब वो पूरी तरह से स्वस्थ होकर राजनीति की दौड़ में आ गये हैं। सूत्र बताते हैं कि चुनावी तैयारी शुरू हो गई है और वो एहसास करा रहे हैं कि माहौल भी उनके पक्ष में है और तैयारी भी उनकी पूरी है। दावेदारी की दौड़ में वो इसलिए भी आगे हैं क्योंकि उन्हें अपने एक एक वोटर का डाटा पता है। आप उनसे शहर और मौहल्ले का नाम लीजिए और वो आपको वोटर बता देंगे। सबसे बड़ी बात ये है कि एमएलसी चुनाव जीतने के बाद उन्होंने वास्तव में एक जनप्रतिनिधि वाली पारी खेली है। लोगों के साथ सीधे टच में रहे हैं और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों

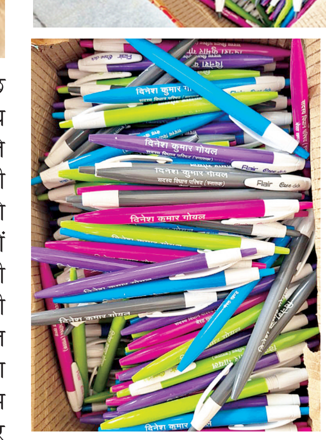

का लाभ जनता को मिले, इस दिशा में उन्होंने काम किया है। सूत्र बताते हैं कि एमएलसी चुनाव की दावेदारी वाली तैयार सही में उन्हीं की मजबूत चल रही है। जब दूसरे दावेदार अभी फार्म ही ले रहे हैं और वो भी कहीं दहाई तो कहीं सैंकड़ा हैं। लेकिन दिनेश गोयल की तैयारियों वाले सीन में वोटर ही हजारों हैं। वोट तैयार कराई जा रही हैं और मतदाताओं का आभार ऐसे ही नहीं है। लाखों कलेंडर हैं, लाखों डायरी हैं, पेन हैं और ये सब मतदाताओं के लिए तैयार हैं। एक-एक वोट पर काम हो रहा है। वोट बनवा रहे हैं और एक पूरा नेटवर्क उनकी टीम का है जो इस दिशा में काम कर रहा है। जैसा कि पहले बताया गया कि ये वो मैनेजमेंट है जिसमें एक एक वोटर का डाटा इस टीम के पास है। मतदाताओं के साथ व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क में हैं। कहने वाले कह भी रहे हैं कि जो अन्य दावेदार उनके क्षेत्र में आ भी रहे हैं वो फिलहाल रियल ग्राउंड पर कहीं नहीं टिक पा रहे हैं। उनके समर्थक यहां भवरें वाला उदाहरण दे रहे हैं और कह रहे हैं कि वोटो वाली बगिया में कोई भंवरा घुस नहीं सकता है और अगर वो घुस भी गया तो किसी फूल में बैठ नहीं पायेगा। ये तैयारी वास्तव में जोरदार चल रही है और एमएलसी चुनाव में एक रोचकता पैदा हो गई है और तैयारियों के लिहाज में यहां दिनेश गोयल सबसे आगे चल रहे हैं।

डीसीपी सिटी ने किया कविनगर थाने के निर्माण कार्य का निरीक्षण, तेजी से काम पूरा करने के निर्देश

मुख्यालय का थाना बनेगा हाईटेक, 70 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा

गाजियाबाद , करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में थानों की सूरत बदलने के साथ-साथ पुलिसकर्मियों की कार्य व्यवस्था को भी आधुनिक बनाया जा रहा है। इसी क्रम में कविनगर थाना, जो कि मुख्यालय क्षेत्र का महत्वपूर्ण थाना है, को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है।

पुलिस उपायुक्त नगर-मुख्यालय धवल जायसवाल ने मंगलवार को कविनगर थाने में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता, कार्य की प्रगति और सुरक्षा मानकों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। इस मौके पर एसीपी कवि नगर सूर्यबलि मौर्य, एसएचओ कवि नगर अनुराग शर्मा मौजूद रहे।

कवि नगर थाना होगा पूरी तरह हाईटेक

करंट क्राइम : कविनगर थाना पुलिस कमिश्नर कार्यालय और पुलिस लाइन के पास स्थित होने के कारण बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी वजह से इसे आधुनिक और हाईटेक स्वरूप दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य का करीब 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा पूरा हो चुका है। नई बिल्डिंग में पुलिसकर्मियों के लिए आधुनिक वर्कप्लेस तैयार किया जा रहा है। सभी कार्यालयों को एयर कंडीशनर से लैस किया जा रहा है, ताकि बेहतर वातावरण में कार्य हो सके। इसके साथ ही कंप्यूटर रूम, विवेचना कक्ष और एसीपी कार्यालय को भी आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है।

आगंतुकों और महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्था : सीपी

करंट क्राइम : थाने में आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैठने की अलग व्यवस्था, पेयजल और वॉशरूम की सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इसके अलावा महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केंद्र और हाईटेक मालखाना भी बनाया जा रहा है। भवन में बेहतर लाइटिंग सिस्टम के साथ-साथ जनरेटर सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे किसी भी स्थिति में काम प्रभावित न हो। बता दें कि पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद जे रविंदर गौड के निर्देश पर कमिश्नरेट के विभिन्न थानों को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने का अभियान लगातार जारी है। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद कविनगर थाना न केवल पुलिसकर्मियों के लिए बेहतर कार्यस्थल बनेगा, बल्कि आम नागरिकों को भी अधिक सुविधाएं मिलेंगी।

संपादकीय

तेल संकट से चुनौती

व्यापार समझौते में अमेरिका ने जिस तरह भारत के सामने रूस से तेल नहीं खरीदने की शर्त लगाई, उससे स्थितियां ज्यादा जटिल हुईं। मगर युद्ध की वजह से पैदा हुई नई परिस्थिति में इस संदर्भ में फैसला लेने के लिए भारत स्वाभाविक ही अपनी जरूरतों के मुताबिक कदम बढ़ा रहा है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में एक ओर इजराइल-अमेरिका की तरफ से हमले में ईरान के तेल उत्पादन केंद्रों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हो रही है, तो दूसरी ओर ईरान के जवाब की जद में भी कतर, बहरीन और सऊदी अरब जैसे खाड़ी के कई तेल उत्पादक देश आ रहे हैं। इसके अलावा, ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग को जिस तरह बाधित कर दिया है, उसका मुख्य असर तेल की आपूर्ति पर पड़ना शुरू हो चुका है।

हमलों की तीव्रता अगर बनी रही, तो केवल भारत नहीं, समूचे एशिया में तेल और गैस की कीमतें काफी बढ़ सकती हैं। एशिया के कई विकासशील देश शायद इसका बोझ नहीं उठा पाएंगे और नतीजतन उन्हें अपने यहां तेल और गैस की मांग को घटाने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में भारत के सामने भी अपने तेल और गैस की जरूरत भर आपूर्ति को बनाए रखने की बहुस्तरीय चुनौती आ खड़ी हुई है। तेल खरीद के मोर्चे पर भारत जिन नई परिस्थितियों से दो-चार है, उसमें अब स्वाभाविक ही नए विकल्प तैयार करना वक्त का तकाजा है। दरअसल, व्यापार समझौते में अमेरिका ने जिस तरह भारत के सामने रूस से तेल नहीं खरीदने की शर्त लगाई, उससे स्थितियां ज्यादा जटिल हुईं। मगर युद्ध की वजह से पैदा हुई नई परिस्थिति में इस संदर्भ में फैसला लेने के लिए भारत स्वाभाविक ही अपनी जरूरतों के मुताबिक कदम बढ़ा रहा है। शायद यही वजह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता रोके जाने के बाद पैदा होने वाली स्थिति के मद्देनजर भारत को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए रूस या अन्य विकल्प की ओर देखने को लेकर अमेरिका ने नरम रुख अख्तियार किया है।

गौरतलब है कि भारत में एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस का पचास फीसद खाड़ी देशों से आता है, जिसका उपयोग बिजली उत्पादन और खाद बनाने में किया जाता है। इसी तरह एलपीजी का साठ फीसद इन्हीं देशों से आता है। मगर जब से ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग को बाधित किया है, तब से तेल और गैस की सहज आपूर्ति पर इसका व्यापक असर पड़ा है। हमले के कई दिनों बाद भी दोनों पक्षों की ओर से युद्ध विराम के लिए किसी तरह की पहल करने के संकेत नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में दुनिया के एक बड़े हिस्से में तेल और गैस का संकट खड़ा हो सकता है।

हालांकि भारत के पास अगले करीब दो महीने के लिए अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त भंडार है, लेकिन अभी जिस तरह युद्ध के लंबा खिंचने की आशंका दिख रही है, उसके मद्देनजर पूर्व तैयारी की जरूरत है। इसी वजह से भारत ने अब अपनी ऊर्जा खरीद की रणनीति में काफी बदलाव किया है, ताकि किसी एक रास्ते के बाधित होने पर आपातकालीन आपूर्ति भी बाधित होने की स्थिति न पैदा हो।

मोदी सरकार का अहम कदम: पड़ोसी देशों से निवेश आसान
8.8 लाख करोड़ की परियोजनाओं को हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, चीन सहित भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को आसान बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस बहुप्रतीक्षित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत का चीन के साथ व्यापारिक घाटा लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

किस नियम में किया गया बदलाव?

इस अहम फैसले के तहत सरकार ने 2020 में जारी 'प्रेस नोट 3' के प्रावधानों में ढील दी है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय कंपनियों के अवसरवादी अधिग्रहण को रोकने के लिए यह सख्त नियम लागू किया गया था। पुराने नियमों के अनुसार, भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों- चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान- से आने वाले किसी भी निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी।

गौरतलब है कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में भारी तनाव आ गया था। इसके परिणामस्वरूप, भारत सरकार ने टिकटॉक, वीचैट और यूसी ब्राउजर जैसे 200 से अधिक चीनी मोबाइल ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया था।

देश में रणनीतिक बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने के लिए भी केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि 'स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कनेक्टिविटी इन्वेस्टमेंट एजेंडा 2024' के तहत कैबिनेट ने कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को अपनी मंजूरी दे दी है।

जल जीवन मिशन को मिला सबसे बड़ा हिस्सा

कैबिनेट द्वारा मंजूर किए गए कुल 8.8 लाख करोड़ रुपये के फंड में से सबसे बड़ा हिस्सा बुनियादी जरूरतों और ग्रामीण विकास पर केंद्रित है। सरकार ने 'जल जीवन मिशन' के विस्तार के लिए 8.7 लाख करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट को मंजूरी दी है।

कनेक्टिविटी और यातायात सुविधाओं का विस्तार

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और परिवहन को सुगम बनाने के लिए सरकार ने कई प्रमुख रेलवे और सड़क परियोजनाओं के साथ-साथ विमानन क्षेत्र के लिए अहम फैसले लिए हैं:

एविएशन सेक्टर: एक प्रमुख नीतिगत फैसले के तहत मदुरै एयरपोर्ट को इंटरनेशनल एयरपोर्ट (अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) घोषित किया गया है।

रोड नेटवर्क: जेवर एयरपोर्ट और फरीदाबाद सेक्शन को जोड़ने वाले एलिवेटेड रोड के निर्माण के लिए 3,631 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा, बदनावर-थांदला-टिमरवानी राजमार्ग को 4-लेन बनाने के लिए 3,839 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का प्रस्ताव
2.81 लाख करोड़ के अतिरिक्त व्यय की मांग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वित्तीय प्रबंधन और योजनाओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से मंगलवार को लोकसभा से 2.81 लाख करोड़ रुपये से अधिक के सकल अतिरिक्त व्यय के लिए मंजूरी मांगी है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सरकार को विभिन्न मंत्रालयों के तहत तय बजट के अलावे धन की आवश्यकता है।

अनुपूरक अनुदान मांगों की दूसरी खेप: संसद में यह प्रस्ताव वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अनुपूरक अनुदान मांगों के दूसरे बैच के रूप में पेश किया गया। जब बजट में आवंटित राशि कम पड़ जाती है या किसी नए खर्च की जरूरत होती है, तब सरकार संसद से अतिरिक्त खर्च की अनुमति मांगती है। इस प्रस्ताव के तहत सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस भारी-भरकम राशि का प्रबंधन किस प्रकार किया जाएगा।

खर्च और फंड का पूरा गणित: सरकार द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों के अनुसार, संसद से कुल 2,81,289.26 करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय को अधिकृत करने की मांग की गई है। इस विशाल राशि को दो मुख्य हिस्सों में बांटा गया है:

शुद्ध नकद व्यय: इस कुल अतिरिक्त खर्च में से वास्तविक नकद निकासी या 'नेट कैश आउटगो' 2,01,142.96 करोड़ रुपये का होगा। आसान भाषा में, यह वह राशि है जो सीधे सरकारी खजाने से निकाली जाएगी।

बचत और प्राप्तियों से भरपाई: खर्च का बाकी हिस्सा, जो कि 80,145.71 करोड़ रुपये है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 640 अंक चढ़ा, निफ्टी 24250 के पार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक उछलकर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 233.55 अंक की बढ़त के साथ 24,261.60 पर बंद हुआ।

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 639.82 अंक या 0.82 प्रतिशत बढ़कर 78,205.98 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 233.55 अंक या 0.97 प्रतिशत चढ़कर 24,261.60 पर बंद हुआ।

कच्चे तेल और एशियाई बाजार का असर

मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी देखी गई। ट्रंप के बयान के बाद निवेशकों की चिंता कुछ कम हुई, जिससे बाजार में राहत का माहौल बना।

बातचीत में कहा कि सैन्य अभियान लगभग पूरा हो चुका है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल आपूर्ति को बाधित करने की कोशिश करता है तो उसका जवाब अकल्पनीय पर दिया जाएगा। यह समुद्री मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति का करीब 20% संभालता है, इसलिए ऊर्जा बाजार के लिए बेहद अहम माना जाता है।

इससे पहले तेल बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। सोमवार को कच्चे तेल की कीमत लगभग 30% उछलकर 119 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई थी, लेकिन बाद में तेज गिरावट आई और कीमत करीब 84 डॉलर तक आ गई।

केंद्र ने प्राकृतिक गैस के वितरण के लिए नई प्राथमिकता सूची तय की

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति पर बढ़ते दबाव के बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार को घरेलू ऊर्जा बाजार को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसी अधिनियम) लागू करते हुए रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि देश में रसोई गैस की आपूर्ति निर्बाध बनी रहे।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, जारी नियंत्रण आदेश के तहत प्रमुख हाइड्रोकार्बन संसाधनों को पूल में डायवर्ट किया जाएगा। साथ ही प्राकृतिक गैस के वितरण के लिए नई प्राथमिकता सूची तय की गई है, ताकि मौजूदा आपूर्ति बाधाओं को प्रभावी तरीके से संभाला जा सके।

सरकार का यह कदम ऐसे समय आया है जब भारत अपनी लगभग 30% प्राकृतिक गैस आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए प्राप्त करता है और क्षेत्रीय तनाव के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। कमी की भरपाई के लिए भारत वैकल्पिक व्यापार मार्गों से प्राकृतिक गैस की खरीद भी कर रहा है। इसके अलावा, रेस्तरां, ऑटोमोबाइल और अन्य क्षेत्रों में LPG की जरूरतों की समीक्षा के लिए पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक समिति भी गठित की है। मंत्रालय ने बताया कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घरेलू LPG आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

रोचक तथ्यों का करंट

- अपोलो 13 आपातकाल के दौरान पृथ्वी से सबसे दूर की दूरी एक अंतरिक्ष यात्री ने कभी यात्रा की है।
- एक अंतरिक्ष यात्री ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करते हुए एक बुमेरांग फेंक दिया और गुरुत्वाकर्षण की अनुपस्थिति में भी वह उनके पास लौट आया था।
- नासा में सटीक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी शब्दों की एक सूची है जो लेखक साइंस फिक्शन कहानियों में उपयोग कर सकते हैं।
- पृथ्वी पर, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन 925,000 पाउंड का वजन, 11 पूर्ण अर्ध ट्रकों से अधिक होता है, अंतरिक्ष में, यह लगभग कुछ भी नहीं होता है।
- 10 अगस्त 2015 को, नासा के अंतरिक्ष यात्री ने खाना खाया जो पहली बार अंतरिक्ष में उगाया गया था।
- बाहरी अंतरिक्ष समुद्र स्तर से ऊपर 100 किमी से शुरू होता है।
- वर्जीनिया में प्राथमिक विद्यालय के छात्रों ने एक उपग्रह बनाया जिसे बाद में 2016 में नासा द्वारा अंतरिक्ष में भेजा गया।
- साल 2003 कोलंबिया स्पेस शटल आपदा के केवल बचे हुए कुछ परजीवी कीड़े हैं, जिन्हें नेमेटोड कहा गया था।

राशिफल

मेष: आज साथ काम करने वाले लोग मददगार रहेंगे। यदि आप किसी ने बिजनेस की शुरूआत करना चाहते हैं तो आज का दिन आपके लिए बहुत ही शुभ रहेगा।

वृष: आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। व्यापार में अच्छा लाभ हो सकता है। आप अपने व्यापार को नई गति देंगे। जीवनसाथी के साथ संबंध बढ़िया रहेंगे।

मिथुन: आज कार्यक्षेत्र में कुछ नए बदलाव आयेंगे। आज शाम को आप किसी फ्रेंड के बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगें छात्रों के लिए आज का दिन सामान्य है।

कर्क: आज पुराने दोस्तों की सहायता से आप किसी बड़ी समस्या से आसानी से बाहर निकल पाएंगे। जीवनसाथी की हेल्थ को लेकर चिंतित रहेंगे।

सिंह: आपके लिए आज का दिन काफी बढ़िया रहने वाला है। परिवार के लोगों का तालमेल आपको आगे बढ़ने का हौसला देगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा।

कन्या: आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। ऑफिस में सभी काम समय पर पूरे होंगे। जीवनसाथी के साथ लंच के लिए किसी रेस्टोरेंट में जायेंगे।

तुला: आज आपके जीवन में अचानक से कोई बड़ा बदलाव हो सकता है। आप अपनी समझदारी से किसी भी समस्या का समाधान आसानी से निकाल सकते हैं।

वृश्चिक: दिन मिलाजुला असर लेकर आएगा। मानसिक तनाव में रहेंगे। स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। काम के सिलसिले में भी दिक्कत कि सामना करना पड़ सकता है।

धनु: आज दिन बेहतर रहने वाला है। ऑफिस में सारे काम समय से पूरे हो जायेंगेसाथ ही बॉस आपके बेहतरप्रदर्शन के लिए पदोन्नति पर विचार-विमर्श करेंगे।

मकर: घर-परिवार की समस्या रहेगी। आक्रामकता और गुस्से की वजह से समस्या हो सकती है। आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। पत्नी का सहयोग मिलेगा।

कुंभ: आज का दिन बढ़िया रहेगा। लंबे समय से अटके हुए कामों को निपटाने के लिए आज का दिन बढ़िया है। व्यापार के सिलसिले में आपको मुनाफा मिल सकता है।

मीन: आज किसी पुरानी जमीन से आपको धन लाभ होगांअगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिये आप बाहर जा रहे हैं,तो घर के बड़े-बुजुर्ग का आशीर्वाद लेकर जाएं।

चुटकुले

रिंकू- मम्मी मैंने आपकी सारी टेंशन खत्म कर दी..
मम्मी खुश होकर- अच्छा वो कैसे...
रिंकू- आपकी जो सबसे फेवरेट वाली प्लेट थी न...जिसे आप संभालकर रखते रखते परेशान थीं...
मम्मी- हां तो...
रिंकू- मैंने आज वो तोड़ दी...सारी टेंशन खत्म
दे चप्पल...दे चप्पल...दे चप्पल

टीचर-बताओ अफॉर क्या होता है
टिंकू-नहीं पता सर
टीचर- मैं जब तुम्हारे बराबर था तो इंग्लिश की पूरी किताब फटाफट पढ़ लेता था
टिंकू- हां सर आपको कोई अच्छा टीचर मिल गया होगा
दे थप्पड़....दे थप्पड़...दे थप्पड़

पिता-मेरा बेटा मुझसे ज्यादा प्यार करता है
मां- नहीं मेरा बेटा तुमसे ज्यादा मुझसे प्यार करता है
दोनों-चलो अपने बेटे को कंकड़ मारकर डराते हैं...देखें मम्मी को आवाज लगाएगा या पापा को...
कंकड़ लगते ही बेटा....अरो कौन है जाहिल...रुक अभी बताता हूं तुझे

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

रनों के महारथी मैथ्यू हेडन सिखाएंगे बल्लेबाजी का गुर !

गुजरात टाइटंस का बड़ा एलान,हेडन को बनाया बैटिंग कोच

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। 15 हजार से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले हेडन अब टीम के बल्लेबाजों को मार्गदर्शन देंगे। वह कोचिंग स्टाफ में मैथ्यू वेड की जगह लेंगे।

आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटंस ने अपनी टीम मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव किया है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का नया बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। अपने दौर के सबसे खतरनाक ओपनरों में गिने जाने वाले हेडन अब गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों को आधुनिक टी20 बल्लेबाजी की बारीकियां सिखाते नजर आएंगे।

शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अनुभव: मैथ्यू हेडन ऑस्ट्रेलिया के उन बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं जिन्होंने अपने समय में गेंदबाजों पर जबरदस्त दबाव बनाया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 273 मैच खेले और 15 हजार से ज्यादा रन बनाए। हेडन दो बार वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का भी हिस्सा रहे और कई आईसीसी टूर्नामेंट जीतने में अहम भूमिका निभाई।

टीम की बल्लेबाजी पहचान मजबूत करने की उम्मीद: गुजरात टाइटंस के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट विक्रम सोलंकी ने इस नियुक्ति को टीम के लिए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा, 'मैथ्यू की नियुक्ति हमारे सफर के एक महत्वपूर्ण चरण में हुई है। उच्च स्तर का उनका अनुभव और युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देने की उनकी क्षमता आने वाले सीजन में हमारी बल्लेबाजी पहचान को मजबूत करने में मदद करेगी।'

हेडन ने बताया टीम का लक्ष्य

नई जिम्मेदारी मिलने के बाद मैथ्यू हेडन ने भी टीम के विजन को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'अच्छी बल्लेबाजी विरोधी टीम पर दबाव बनाती है, लेकिन महान बल्लेबाजी मैच पर पूरी तरह कब्जा कर लेती है।

उनका वही आक्रामक लेकिन तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाजी स्टाइल आज के टी20 क्रिकेट की पावरप्ले बल्लेबाजी की नींव माना जाता है।

मैथ्यू वेड की जगह मिली जिम्मेदारी: मिली जानकारी के अनुसार हेडन टीम के कोचिंग स्टाफ में ऑस्ट्रेलिया के ही मैथ्यू वेड की जगह आए हैं। वेड 2025 के आईपीएल सीजन में गुजरात टाइटंस के सहायक कोच की भूमिका निभा चुके थे।

राष्ट्रगान नहीं गाने पर विवाद

ऑस्ट्रेलिया ने पांच ईरानी महिला फुटबॉलरों को दी शरण

सिडनी। एएफसी एशियन कप 2026 में राष्ट्रगान न गाने के विवाद के बाद ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की पांच महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को मानवीय वीजा देकर शरण दी है। सरकार ने कहा है कि खिलाड़ी वहां रहकर पढ़ाई और काम कर सकती हैं, जबकि बाकी खिलाड़ियों के लिए भी विकल्प खुले रखे गए हैं।

एएफसी एशियन कप 2026 के उद्घाटन मैच के दौरान ईरान की महिला फुटबॉल टीम द्वारा राष्ट्रगान न गाने का मामला अब अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बन गया है। इस विवाद के बाद ऑस्ट्रेलिया ने ईरान की पांच महिला खिलाड़ियों को मानवीय आधार पर वीजा देकर अपने देश में रहने की अनुमति दे दी है। ऑस्ट्रेलिया के इमिग्रेशन मंत्री टोनी बर्क ने जानकारी दी कि जिन खिलाड़ियों को मानवीय वीजा दिया गया है, उनमें जहरा घनबारी, जहरा सरबली, फतेमेह पसंदिदेह, अतेफे रमजानजादेह और मोना हमौदी शामिल हैं।

धोनी-रोहित फाइनल देखने अहमदाबाद पहुंचे विराट

कोहली क्यों नहीं गए नरेंद्र मोदी स्टेडियम

अहमदाबाद। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में जहां महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा वीआईपी बॉक्स में मौजूद रहे, वहीं विराट कोहली नजर नहीं आए। इसकी दो वजहें सामने आईं। पहली, उनके पास कोई आधिकारिक भूमिका नहीं थी और दूसरी, कोहली ने संभवतः मैच परिवार के साथ घर पर देखकर टीम की जीत का जश्न मनाया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कई मायनों में यादगार बन गया। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर न सिर्फ खिताब अपने नाम किया, बल्कि टूर्नामेंट में लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने वाली पहली टीम भी बन गई।

इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय क्रिकेट के दो पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा वीआईपी बॉक्स में बैठकर मैच का आनंद लेते नजर आए। दोनों को स्टेडियम में देखकर फैंस बेहद खुश हुए। हालांकि इसी दौरान एक सवाल भी चर्चा में रहा, और वह है भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली इस फाइनल में क्यों नहीं पहुंचे? फाइनल मुकाबले में जब कैमरा वीआईपी बॉक्स की ओर गया और वहां महेंद्र सिंह धोनी तथा रोहित शर्मा दिखाई दिए तो स्टेडियम में मौजूद फैंस के साथ-साथ टीवी दर्शकों में भी उत्साह बढ़ गया। धोनी ने 2007 में भारत को पहला टी20 वर्ल्ड कप जिताया था, जबकि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 2024 में बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका को हराकर खिताब जीता था। ऐसे में दोनों पूर्व विजेता कप्तानों का फाइनल में मौजूद रहना एक खास पल बन गया, लेकिन इसी बीच फैंस को यह भी महसूस हुआ कि भारतीय क्रिकेट का एक और बड़ा नाम, विराट कोहली स्टेडियम में नजर नहीं आया।

पहला कारण : आधिकारिक भूमिका का अभाव
कोहली की गैरमौजूदगी को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि इसके पीछे एक अहम कारण आधिकारिक भूमिका से जुड़ा माना जा रहा है। दरअसल, धोनी और रोहित शर्मा दोनों टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान रहे हैं। इसी वजह से उन्हें आयोजन से जुड़े आधिकारिक कार्यक्रम के तहत फाइनल में आमंत्रित किया गया था। विराट कोहली हालांकि भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े बल्लेबाजों में गिने जाते हैं, लेकिन उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप बतौर कप्तान नहीं जीता।

दूसरा कारण : परिवार के साथ समय
दूसरा संभावित कारण विराट कोहली का पारिवारिक जीवन भी माना जा रहा है। कोहली अब अंतरराष्ट्रीय टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। ऐसे में उन्हें अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने का मौका मिलता है। माना जा रहा है कि उन्होंने फाइनल मुकाबला अपने परिवार और दोस्तों के साथ घर पर बैठकर देखा।

कोहली ने पहले ही कही थी यह बात

विराट कोहली ने कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में अपने भविष्य को लेकर दिलचस्प बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जब वह क्रिकेट से पूरी तरह संन्यास ले लेंगे तो कुछ समय तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आएंगे। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा था, 'जब मैं पूरी तरह क्रिकेट से हट जाऊंगा तो मैं गायब हो जाऊंगा, कुछ समय तक आप मुझे नहीं देख पाएंगे। इसलिए जब तक खेल रहा हूं, मैं अपना सब कुछ देना चाहता हूं और यही मुझे आगे बढ़ाता है।'

हालांकि धोनी और रोहित की मौजूदगी ने फाइनल का रोमांच बढ़ा दिया, लेकिन विराट कोहली की गैरमौजूदगी को लेकर कई फैंस को थोड़ी निराशा भी हुई।

पिता को याद कर भावुक हुए चैंपियन रिंकू सिंह, खिताब जीतकर भी अधूरा रह गया जश्न

नई दिल्ली। भारत की टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीत के बाद रिंकू सिंह ने अपने दिवंगत पिता खानचंद्र सिंह को याद करते हुए भावुक पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि पिता ने उन्हें कर्तव्य निभाने की सीख दी थी और उनका सपना पूरा हुआ, लेकिन हर खुशी अब उनके बिना अधूरी लगेगी।

भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। यह जीत भारतीय क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक पल थी, लेकिन टीम इंडिया के बल्लेबाज रिंकू सिंह के लिए यह खुशी पूरी तरह से अधूरी रह गई। वर्ल्ड कप जीतने के बाद रिंकू सिंह ने अपने दिवंगत पिता खानचंद्र सिंह को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक संदेश लिखा, जिसने फैंस को भी भावुक कर दिया।

पिता के बिना पहली बड़ी जीत

रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का 27 फरवरी को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। वे स्टेज-4 लिवर कैंसर से जूझ रहे थे और ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। पिता के निधन की खबर रिंकू सिंह को तब मिली थी जब वह भारतीय टीम के साथ टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयारी कर रहे थे। यह खबर उनके लिए बेहद बड़ा झटका थी।

'हर खुशी में आपकी कमी खलेगी'
रिंकू सिंह ने अपने संदेश में आगे लिखा कि जीवन की हर छोटी-बड़ी खुशी में उन्हें अपने पिता की कमी महसूस होगी। उन्होंने लिखा, 'हर छोटी-बड़ी खुशी में आपकी कमी खलेगी। बहुत मिस करूंगा आपको पापाङ्ग बहुत ज्यादा।' यह संदेश पढ़कर कई क्रिकेट फैंस और साथी खिलाड़ियों ने भी रिंकू के प्रति संवेदना जताई।

जसप्रीत बुमराह कहलाने लगे गेंदबाजी के 'सचिन तेंदुलकर'

दो अलग कलाएं मगर असर एक जैसा

अहमदाबाद। जसप्रीत बुमराह और सचिन तेंदुलकर अलग-अलग युग और अलग-अलग कौशल के खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके प्रभाव में अद्भुत समानता है। जिस तरह सचिन ने बल्लेबाजी को नई ऊंचाई दी, उसी तरह बुमराह ने आधुनिक तेज गेंदबाजी को नई पहचान दी है। बड़े मैचों में उनका प्रदर्शन, गेंद पर नियंत्रण और खेल की गहरी समझ उन्हें भारतीय क्रिकेट का अनमोल सितारा बनाती है। आज के दौर में बुमराह सिर्फ एक गेंदबाज नहीं, बल्कि टीम इंडिया की जीत की सबसे बड़ी उम्मीद बन चुके हैं।

भारतीय क्रिकेट में जब महान खिलाड़ियों की चर्चा होती है तो सबसे पहले नाम सचिन तेंदुलकर का लिया जाता है। उन्होंने बल्लेबाजी को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया, वह आज भी बेमिसाल है, लेकिन अगर गेंदबाजी की बात की जाए तो आज के दौर में एक ऐसा खिलाड़ी है जिसकी तुलना सचिन के प्रभाव से की जा सकती है, और वह खिलाड़ी हैं जसप्रीत बुमराह।

कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि बुमराह भारतीय गेंदबाजी के 'सचिन तेंदुलकर' हैं। दोनों की कला अलग है, एक बल्ले से जादू करता था, दूसरा गेंद से, लेकिन प्रभाव, क्रिकेटिंग समझ और बड़े मौकों पर प्रदर्शन की क्षमता के मामले में दोनों में अद्भुत समानता दिखती है।

सचिन तेंदुलकर ने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरूआत की और 24 साल तक खेलते रहे। वहीं बुमराह का करियर शायद इतना लंबा न हो, लेकिन जिस तरह उन्होंने कम समय में प्रभाव छोड़ा है, वह असाधारण है। दोनों खिलाड़ियों में एक बात बेहद समान है, अपने खेल पर जबरदस्त नियंत्रण। चाहे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, दोनों अपने कौशल के ऐसे उस्ताद रहे हैं जो मैच की दिशा बदल सकते हैं। बड़े मुकाबलों में प्रदर्शन करना भी उनकी खासियत रही है। सचिन जब मैदान में उतरते थे तो विपक्षी टीम दबाव में आ जाती थी। आज वही स्थिति बुमराह के साथ देखने को मिलती है, खासकर सीमित ओवरों के क्रिकेट में।

सचिन तेंदुलकर के शुरूआती दिनों को देखने वाले लोगों को याद होगा कि उन्होंने अपने करियर के एक दौर के बाद भारतीय गेंदबाजों के खिलाफ नेट्स में बल्लेबाजी करना लगभग बंद कर दिया था।

वे अक्सर कोच या सहयोगियों से थ्रोडाउन लेकर अभ्यास करते थे। बुमराह का तरीका भी कुछ हद तक ऐसा ही है। वह नेट्स में बल्लेबाजों को कुछ गेंदें जरूर डालते हैं, लेकिन उनका अधिकांश अभ्यास अपने गेंदबाजी प्लान पर केंद्रित होता है कि किस बल्लेबाज को क्या गेंद डालनी है, किस लंबाई पर गेंद फेंकनी है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले मोटेरा स्टेडियम में ऐसा ही एक दृश्य देखने को मिला।

जीत के जोश में कीवी खिलाड़ी पर गेंद फेंकना अर्शदीप को पड़ा महंगा

ICC ने अर्शदीप को दी सजा

नई दिल्ली। आईसीसी ने अर्शदीप सिंह पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया है। इसके अलावा उनके खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। खेल की वैश्विक संस्था ने उन पर यह कार्रवाई फाइनल मैच के दौरान डेरिल मिचेल पर गेंद फेंकने के लिए की।

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को फाइनल मैच में डेरिल मिचेल पर गेंद फेंकने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सजा दी है। उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। बता दें कि, भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल मुकाबला खेला गया था। इस मैच में टीम इंडिया ने शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम किया।

अर्शदीप और मिचेल के बीच विवाद उस वक्त हुआ जब भारतीय तेज गेंदबाज न्यूजीलैंड की पारी का 11वीं ओवर डालने आए।

ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल डिफेंसिव शॉट खेला और गेंद बाउंस करते हुए अर्शदीप के पास पहुंची।

अर्शदीप ने फॉलो थ्रू में गेंद मिचेल के जांघ पर मार दी। इससे मैदान में थोड़ी देर के लिए तनाव का माहौल बन गया।

अर्शदीप सिंह ने ऑफ स्टंप के बाहर वाइड यॉर्कर डाली, जिसे डेरिल मिचेल ने सीधे पिच की तरफ खेल दिया। इसके बाद अर्शदीप ने विकेट की ओर थ्रो मारने की कोशिश की, लेकिन गेंद मिचेल की जांघ पर जा लगी इससे मिचेल काफी नाराज हो गए और वह आक्रामक अंदाज में अर्शदीप की ओर बढ़ते हुए हाथों से इशारे करते नजर आए।

स्थिति थोड़ी गरम होती दिखी, तभी सूर्यकुमार यादव बीच में आए और मिचेल के कंधे पर हाथ रखकर उनसे बात करते हुए माहौल को शांत करने की कोशिश की। अर्शदीप सिंह की इस हरकत के लिए खेल की वैश्विक संस्था ने उन पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुमार्ना लगाया है। उन्हें आईसीसी की आचार संहिता के लेवल-1 के उल्लंघन के लिए यह सजा मिली है।

अर्शदीप को आईसीसी के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.9 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास गलत और/या खतरनाक तरीके से बॉल (या क्रिकेट का कोई और सामान) फेंकने से जुड़ा है। जुमार्ने के अलावा अर्शदीप के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया।

अर्शदीप को हुआ था गलती का अहसास
इस विवाद को लेकर अर्शदीप ने भी मैच के बाद चुप्पी तोड़ी थी। उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की थी। अर्शदीप ने कहा था, मैं तुरंत भागकर मिचेल से माफी मांगने गया था। जब मैंने गेंद फेंकी तो वह रिवर्स स्विंग हो गई और थ्रो में उन्हें लग गई।

पिछले एक साल में आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पांच भारतीय टीमों का होगा सम्मान

मुंबई। बीसीसीआई 15 मार्च को नई दिल्ली में ह्यनमनह्न वार्षिक पुरस्कार समारोह आयोजित करेगा, जिसमें पिछले एक साल में आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें टी20 वर्ल्ड कप 2026 विजेता पुरुष टीम, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम, सीनियर महिला टीम और अंडर-19 लड़के-लड़कियों की टीमें शामिल होंगी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में अपने वार्षिक पुरस्कार समारोह ह्यनमनह्न का आयोजन करने जा रहा है। इस खास कार्यक्रम में पिछले लगभग एक साल के दौरान आईसीसी टूर्नामेंट जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस समारोह में भारतीय क्रिकेट की हालिया अंतरराष्ट्रीय सफलताओं का जश्न मनाया जाएगा। साथ ही 2024-25 सीजन में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मान दिया जाएगा।

ICC ट्रॉफी जीतने वाली पांच टीमों को मिलेगा सम्मान

बीसीसीआई के इस कार्यक्रम में पिछले एक साल में आईसीसी खिताब जीतने वाली पांच अलग-अलग भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम भी शामिल है। इसके अलावा 2025 वनडे विश्वकप चैंपियन सीनियर महिला टीम, 2026 अंडर-19 विश्वकप चैंपियन आयुष म्हात्रे की टीम और 2025 अंडर-19 विश्वकप जीतने वाली भारतीय बेटियों की टीम शामिल हैं। टीम के साथ कोचिंग स्टाफ को भी इस समारोह में बुलाया जाएगा।

देवजीत सैकिया ने बताया, 'बीसीसीआई अवॉर्ड्स समारोह 15 मार्च को नई दिल्ली में होगा। हम हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम सहित सभी आईसीसी टूर्नामेंट विजेता टीमों और उनके कोचों को आमंत्रित करने जा रहे हैं। सीनियर पुरुष टीम के अलावा सीनियर महिला टीम, अंडर-19 लड़कों और अंडर-19 लड़कियों की टीम, जिन्होंने 2025 में ट्रॉफी जीती थी, उन्हें भी बुलाया जाएगा।'

चैंपियंस ट्रॉफी विजेता टीम भी होगी सम्मानित

सैकिया ने यह भी बताया कि 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम के खिलाड़ियों को भी इस समारोह में सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हम 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों को भी आमंत्रित करेंगे। पिछले लगभग एक साल में भारतीय टीमों ने कुल पांच आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं और उन सभी टीमों के सदस्यों को इस अवॉर्ड नाइट में सम्मानित किया जाएगा। यह एक शानदार शाम होगी।'

दिल्ली के पांच सितारा होटल में होगा आयोजन

सूत्रों के मुताबिक यह समारोह नई दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में आयोजित किया जाएगा, जो एयरपोर्ट के पास स्थित होगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि भारतीय पुरुष टीम के कई खिलाड़ियों को कार्यक्रम के बाद सीधे अपनी-अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़ना है।

आईपीएल 2026 का सीजन 28 मार्च से शुरू होने वाला है और उससे पहले सभी टीमों के प्री-सीजन कैंप शुरू हो जाएंगे। इससे पहले बीसीसीआई ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम और सपोर्ट स्टाफ के लिए 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि का एलान किया था। यह राशि 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को दी गई 125 करोड़ रुपये की इनामी राशि से छह करोड़ रुपये ज्यादा है। देवजीत सैकिया ने कहा, '2026 टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के इनाम की राशि का पूरा बंटवारा जल्द बताया जाएगा।

टी-20 विश्व कप खिताब के दरवाजे तक पहुंचे, मगर नहीं जीत सके

अहमदाबाद। टी20 विश्व कप के इतिहास में कुछ टीमें ऐसी भी रही हैं जो दो बार फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा नहीं कर सकीं। खिताब से बस एक कदम दूर पहुंचकर भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इन टीमों की कहानी क्रिकेट में किस्मत और दबाव भरे फाइनल मुकाबलों की याद दिलाती है।

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को खेले गए टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मैच को 96 रन के अंतर से गंवा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड उन देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया, जिसने एक नहीं, बल्कि दो-दो बार खिताब जीतने का मौका गंवाया है।

इस टीम ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2007 का फाइनल महज पांच रन के अंतर से गंवाया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर 157 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तानी टीम 19.3 ओवरों में महज 152 रन सिमट गई। इसके बाद पाकिस्तान ने साल 2022 में इंग्लैंड के विरुद्ध फाइनल मैच पांच विकेट के अंतर से गंवाया।

11 Mar -26 page 6 10-03-2026 22:38 Page 1

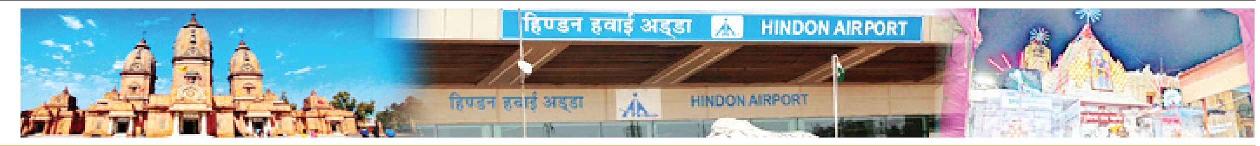

हरनंदीपुरम टाउनशिप और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम से बदलेगी गाजियाबाद की तस्वीर

गाजियाबाद करंट क्राइम। शहर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और हरित स्वरूप देने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) कई बड़ी परियोजनाओं पर तेजी से काम कर रहा है। मधुबन बापूधाम स्थित बुनकर मार्ट परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने बताया कि आवास, सड़क, अंतरराष्ट्रीय खेल सुविधाएं, पर्यावरण संरक्षण और निवेश को बढ़ावा देने वाली योजनाओं को एक साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर गाजियाबाद एनसीआर ही नहीं बल्कि प्रदेश के प्रमुख विकसित शहरों में शामिल होगा।

बढ़ती आवासीय मांग को देखते हुए हरनंदीपुरम आवासीय योजना को प्राथमिकता दी जा रही है। मई 2025 में स्वीकृत इस योजना के तहत अब तक 79 हेक्टेयर भूमि खरीदी जा चुकी है, जबकि 130 हेक्टेयर भूमि के लिए किसानों से सहमति मिल चुकी है। योजना की डीपीआर तैयार करने के लिए कंसल्टेंट का चयन भी कर लिया गया है। लगभग 2,384 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना को मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत 400 करोड़ रुपये की सहायता प्राप्त हुई है, जिससे प्रारंभिक विकास कार्य तेजी से शुरू हो गए हैं।

राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में 18 से 45 मीटर चौड़ी जोनल सड़कों का निर्माण भी प्रगति पर है। बी-6 जोनल रोड को मार्च 2026 तक और अन्य प्रमुख सड़कों को जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम से बढ़ेगी पहचान

राजनगर एक्सटेंशन के ग्राम मोरटी और अटौर में करीब 31 एकड़ भूमि पर अंतरराष्ट्रीय मानकों का क्रिकेट स्टेडियम बनाया जाएगा। लगभग 40 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस स्टेडियम में आधुनिक पिच, मीडिया सेंटर, कॉर्पोरेट बॉक्स और विश्वस्तरीय सुविधाएं होंगी। करीब 450 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह स्टेडियम उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से विकसित किया जाएगा।

एरोसिटी थीम टाउनशिप से निवेश और रोजगार

स्टेडियम के आसपास एरोसिटी थीम आधारित एकीकृत टाउनशिप विकसित की जाएगी, जिसमें आवासीय परिसर, वाणिज्यिक क्षेत्र, होटल, रिटेल जोन, खेल अकादमी और स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम शामिल होंगे। इससे निवेश बढ़ने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

पर्यावरण और सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान

हिंडन नदी तटबंध परियोजना के माध्यम से बाढ़ नियंत्रण, जलभराव से राहत और नदी किनारे संपर्क मार्ग विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही शहर में रामायण थीम पार्क, संस्कृति दर्शन पार्क, विकसित भारत पार्क और डॉ. राम मनोहर लोहिया पार्क जैसे थीम आधारित पार्क विकसित किए जा रहे हैं। 143 एकड़ में फैले सिटी फॉरेस्ट पार्क का लगभग 55 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास कर इसे पर्यटन और मनोरंजन का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा।

काम के बदले रुपये देने का झांसा देकर युवती से 4.22 लाख रुपये की ठगी

नोएडा करंट क्राइम। जालसाजों ने काम के बदले रुपये देने का झांसा देकर एक युवती से 4.22 लाख रुपये की ठगी कर ली है। जालसाजों ने पीड़िता को प्रोडक्ट को लाइक करके उसे कार्ट में डालने के लिए कहा था। पीड़िता की शिकायत के आधार पर अज्ञात जालसाजों के खिलाफ साइबर अपराध थाना मानेसर में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सेक्टर-82 में रहने वाली अदिति द्विवेदी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 28 फरवरी को उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया था। ग्रुप में अदिति को किसी प्रोडक्ट को लाइक करने व उसे कार्ट में डालने के बारे में बताया गया। इसके बाद उसे टेलीग्राम पर रीमा दत्ता नामक महिला से संपर्क करने को कहा गया। रीमा दत्ता ने बताया कि वह रिसेप्शनिस्ट हैं और इस काम के बदले मुझे मेरा रुपये दिलाने में मदद करेगी। इसके बाद प्रोडक्ट्स को पहली बार लाइक करने व उन्हें कार्ट में डालने पर 125 रुपये, 425 रुपये मिले और एक हजार रुपये निवेश करने पर 1300 रुपये भी मिले।

किसकी करेगा विंडो पर बैठा कर्मचारी केयर, मेयर या फिर साफ्टवेयर

हाउस वाले टैक्स को लेकर सीन रिलैक्स वाला हो नहीं रहा है। पूर्व मेयर के कर्मचारी को विंडो पर बैठे कर्मचारी ने कहा दिया कि साफ्टवेयर पुरानी दर को मान नहीं रहा है। इसके बाद बोर्ड बैठक हुई और अगले दिन फिर यही बात आ गई कि फेयर कौन है। विंडो पर बैठे कर्मचारी डॉयरेक्ट कह देंगे कि हम मेयर की नहीं मानेंगे क्योंकि हम तो वो मानेंगे जो साफ्टवेयर में आ रहा है। सरकारी काम है साफ्टवेयर जब तक अपडेट होगा तब तक फाईनेनशियल महीना बीत जायेगा। अब पब्लिक समझ नहीं पा रही कि वो किसे फेयर माने। पब्लिक मेयर की मानकर जायेगी और कर्मचारी साफ्टवेयर की सुनेगा।

आखिर क्यों नहीं मांगा बब्बे ने कार्यकारिणी की बैठक में हिसाब

सुल्लामल वाले कार्यकारिणी के मिनी महाभारत के लिए बैठे। उम्मीद थी योद्धा लड़ेंगे मगर यहां तो सब एक दूसरे की हां में हां मिलाने लगे। कोई प्रस्ताव आया तो खलीफा उछल उछल कर ताली बजाने लगे। मंडी वालों ने कहा था कि उदड़ की दाल और गोल नान होने चाहिए मगर उनकी भी जुबान इस बात पर नहीं खुली। जिन्होंने कहा था कि गरीब जनता झूला नहीं झूल पाती तो 50 रूपये का टिकट होना चाहिए। उनकी बात पर इतना गौर हुआ कि 100 रूपये वाले टिकट में उनके भी 50 जोड़कर टिकट 150 का हो गया। चलो बाकी सब तो ठीक है मगर जो बब्बे रोज व्हाट्सऐप पर 80-90 कर रहे थे वो कार्यकारिणी की बैठक में एकदम साईलेंट हो गये। ना पांच लाख का हिसाब पूछें और ना किसी ने एक लाख की बात उनसे पूछी। अब राम वाले ही पूछ रहे हैं कि मीटिंग में क्या चाट खाने, आईसक्रीम खाने गये थे या कुछ और करने गये थे। आखिर ऐसा क्या है वो चार साल का हिसाब नहीं दे रहे। ये एक साल का हिसाब नहीं मांग रहे। हिसाब वाली किताब मिल नहीं रही और शोर चारो तरफ ये मच रहा है कि मिल गया हिसाब, मिल गया हिसाब।

रामलीला के गेट पर कौन कर रहा है चालिस लाख रूपये की उगाही

पुरानी कहावत है कि धुआं ऐसे ही नहीं उठता है कुछ तो आग है जो धुआ उठ रहा है। वैसे तो चैरिटी की बात है लेकिन वैराईटी इसमें बिजनेस की इतनी है कि चारो तरफ ट्रेड ही ट्रेड है। लेकिन इस बार पता चला कि केवल रामलीला के अंदर ही बिजनेस नहीं हो रहा है। रामलीला के गेट के अंदर ही उगाही नहीं हो रही है बल्कि उगाही तो रामलीला के गेट के बाहर भी हो रही है। बैठक में मौजूद एक सदस्य ने जब ये सवाल उठाया कि रामलीला के गेटों के बाहर कौन है जो 40 लाख रूपये की उगाही कर रहा है। सन्नाटा छा गया कि इतनी बड़ी उगाही हो रही है और कमेटी को खबर नहीं है। कुछ तो गड़बड़ है क्योंकि यहां एक मैम्बर ने कहा कि विवाद से कोई फायदा नहीं है और हम तो ये सुझाव देंगे कि उगाही करो मगर 20 लाख रूपये कमेटी को दे दो और 20 लाख रूपये तुम रख लो।

टेंडर जारी होने के बाद भी पटेल नगर द्वितीय में नाली निर्माण का कार्य शुरू नहीं हुआ, लोगों ने जताई नाराजगी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पटेल नगर द्वितीय में नाली निर्माण का टेंडर जारी होने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ है। जिससे स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई के माध्यम से नगर निगम पर काम शुरू नहीं करने और लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पटेल नगर द्वितीय में आर डब्ल्यू ए के प्रयासों से नाली निर्माण का टेंडर जारी हो गया है। इसके बाद भी नगर निगम द्वारा कार्य शुरू नहीं किया गया है जिस कारण लोगों को हो रही परेशानी से निजात नहीं मिल पा रही है।

स्थानीय निवासी शालिनी शर्मा का कहना है कि पटेल नगर द्वितीय में नाली चौक हो गई है साथ ही नाली काफी टूट गई है जिस कारण निकासी नहीं हो पा रही है। आरडब्ल्यूए ने इसकी शिकायत की थी तो नगर निगम ने नाली निर्माण के लिए टेंडर जारी किया था। टेंडर जारी किए हुए काफी समय हो गए हैं लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया है। इस बारे में नगर निगम के अधिकारी सही जानकारी देने से बच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नाली का निर्माण कार्य नहीं होने से इलाके में एक बार फिर बरसातों में जलजमाव और बदबू की संभावना बढ़ गई है। निवासियों ने बताया कि बार-बार शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही। टेंडर हो गया, उद्घाटन हो गया लेकिन काम कब शुरू होगा? हमारा इलाका गड्ढों और गंदगी में डूबा है। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि नगर निगम अधिकारियों से संपर्क करने पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। निवासी अब प्रेस और उच्च अधिकारियों तक बात पहुंचाने की योजना बना रहे हैं।

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज शर्मा ने आरोप लगाया बी ब्लॉक में पार्क की दीवार और सड़क की हालत खस्ता है। नालियां टूटी पड़ी है। पिछले 3 साल में आरडब्ल्यूए के प्रयासों के बाद पहला नालियां निर्माण का टेन्डर लगा। जिस में अड़चने खड़ी की जा रहीं है। नालियां पर अतिक्रमण करके पहले ही नालियां बंद की हुई है। अधिकारी से बातचीत में कोई स्पष्ट निर्देश प्राप्त नहीं हुए है।

राज्यकर विभाग की वर्चुअल सुनवाई

कारोबारियों को नहीं लगाने होंगे दफ्तर के चक्कर

साहिबाबाद करंट क्राइम। नोटिस मिलने पर अब कारोबारियों को राज्यकर विभाग के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके लिए वर्चुअल हियरिंग की शुरूआत विभाग ने कर दी है। फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसे कॉरपोरेट सर्किल की फर्म के लिए शुरू किया गया है।

बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में व्यापारियों को राहत देने के लिए सभी खंडों में मुख्यालय वर्चुअल हियरिंग को शुरू करा सकता है।

संयुक्त आयुक्त कारपोरेट सर्किल राज्यकर जोन-1 विवेकानंद शुक्ला ने बताया कि कारपोरेट से जुड़ी फर्म के आफिस अलग-अलग शहरों में भी होते हैं। ऐसे में विभाग से नोटिस जारी होने पर सुनवाई के लिए इनसे जुड़े कारोबारी या प्रतिनिधियों को कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते थे। इसमें कारोबारी के समय और धन

दोनों की बबार्दी होती थी। इसे देखते हुए फरवरी माह में मुख्यालय के निर्देश पर कारपोरेट सर्किल की फर्म में इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया है।

फर्म से संबंधित मामलों की सुनवाई जूम एप के जरिये की जाएगी। इसके लिए फर्म को दिन और समय बताया जाएगा और सुनवाई से पहले उसे लागिन करने के लिए आइडी भेजी जाएगी। इससे फर्म संचालकों का आना-जाना बचेगा। अधिक दस्तावेज होने या बहुत ही जरूरत पड़ने पर उन्हें कार्यालय बुलाया जाएगा।

गाजियाबाद में अतिक्रमण हटाने गई टीम से किसानों की झड़प, लोगों ने तेल डालकर आत्मदाह का किया प्रयास

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के वेव सिटी क्षेत्रांतर्गत अतिक्रमण हटाने गई जीडीए की टीम को किसानों के जबरदस्त विरोध के बाद बैरंग लौटना पड़ा। पुरुषों व महिलाओं ने अपने ऊपर तेल डालकर आत्मदाह करने की कोशिश की, पुलिस बल की मौजदूगी में लगभग आधा घंटा हंगामा हुआ। जानकारी के अनुसार, वेव सिटी क्षेत्र में किसान प्रमोद, सुबोध व सरवोश पुत्रगण नानक चंद तथा इनकी मां आदेश देवी निवासी महरौली वेव सिटी के नाम 8 बीघे का खेत है, जो वेव सिटी अधिग्रहण से बाहर है, जिसपर किसान का कब्जा है। खेत में प्रमोद ने अपनी गुजर बसर के लिए टीन शेड डालकर उसमें दुकान बनाई हुई है। मंगलवार दोपहर जीडीए का दस्ता पुलिस बल के साथ बिना पूर्व सूचना के किसान के डाले हुए टीन शेड आदि को हटाने के लिए वेव सिटी में जा पहुंचा, किसानों को पता चला तो सैकड़ों किसान महिलाओं के साथ अपनी जमीन पर पहुंच गए।

बैरिकेडिंग चेंकिंग अब नहीं आती नजर

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में मौसम का असर दिखने लगा है। अब पुलिस कर्मियों की वर्दी बदल गई है। तो दिन के समय तापमान में भी तेजी से गर्माहट दिखाई दे रही है। इन सबके बीच आजकल पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के कई जोन और सर्किल में बैरिकेडिंग वाली चेकिंग लगभग खत्म सी होती नजर आ रही है। कभी सिटी के बेहद खास इलाकों और थानाक्षेत्रों में बैरिकेडिंग हुआ करती थी, लेकिन इन दिनों जाम का आलम यह है कि पुलिस बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग वाला अभियान नहीं चला रही है। वैसे बताया जा रहा है कि इन दिनों कई मार्ग तो ऐसे हैं जो दिन भर जाम के हवाले रहते हैं। रात हो या शाम जाम से जूझते हुए लोग सिर्फ पसीना बहाने को मजबूर रहते हैं। तो ट्विटर से लेकर यूपी-112 तक कॉल करते हैं, पर ना तो हालात ही सुधर रहे हैं और ना ही हाल। उधर पुलिस से सुनने में आ रहा है कि पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में एक साहब ऐसे हैं जिन्हें देहात वाले साहब का कार्यालय तक नहीं मालूम है। लोकेशन बताने में भी पसीना आ गया था। इन सबके बीच

जानकारी मिली है कि जिस तरीके से मौसम बदल रहा है और झपटमारी वाला सीजन आने वाला है, ऐसे में अगर बैरिकेडिंग चेकिंग नहीं की जाएगी, तो जो क्राइम के रिकॉर्ड को कम करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम के तमाम शीर्ष अधिकारी मेहनत कर रहे हैं और तमाम तरीके के अभियान, प्लान चलवा रहे हैं, वह फेल हो सकते हैं। वैसे भी दिल्ली-एनसीआर और खासकर गाजियाबाद में चेन स्नेचिंग, मोबाइल स्नैचिंग और चोरी का अपराध बेहद ज्यादा है और चोरी की संख्याओं में भी इजाफा आता है। गर्मियों की छुट्टी भले अभी ना हो लेकिन परीक्षा समाप्त होने के बाद पिकनिक वाला सीजन शुरू होने वाला है। जिसका सोसाइटियों और इलाकों में होने वाली चोरियों पर असर पड़ता है। इन सबके बीच पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में जिस तरीके से बैरिकेडिंग चेकिंग नहीं हो रही है, इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। पुलिस सूत्रों से सुनने में आया है की मीटिंगे तो बहुत हो रही हैं लेकिन इस ओर कोई बयान और ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वैसे सूत्र बता रहे हैं कि आज का दिन सिटी जोन में पूजन, पार्टी और शिलान्यास के नाम रहने वाला है।

गाजियाबाद में जीडीए की बड़ी कार्रवाई, 12 हजार वर्ग मीटर में बसाई जा रही दो अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

गाजियाबाद करंट क्राइम। शहर में अवैध निर्माण और बिना अनुमति कॉलोनियां बसाने वालों के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। जीडीए उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने डासना क्षेत्र में करीब 12 हजार वर्ग मीटर जमीन पर बसाई जा रही दो अवैध कॉलोनियों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया।

भूडगढ़ी रोड पर 6 हजार वर्ग मीटर में हो रही थी प्लॉटिंग

जीडीए की पहली कार्रवाई डासना के भूडगढ़ी रोड पर की गई, जहां किशन त्यागी और नौशाद अली द्वारा करीब 6 हजार वर्ग मीटर जमीन पर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। प्राधिकरण के अनुसार यहां बिना किसी स्वीकृत नक्शे या सरकारी अनुमति के प्लॉट काटे जा रहे थे और कॉलोनी बसाने की तैयारी चल रही थी।

जब जीडीए की टीम जेसीबी और बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची तो निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने कार्रवाई का विरोध किया। हालांकि पुलिस बल और प्रवर्तन टीम की मौजूदगी के कारण विरोध ज्यादा देर तक नहीं चल सका और अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया।

कार्रवाई के दौरान जीडीए के सहायक अभियंता, अवर अभियंता और प्रवर्तन जोन-5 की पूरी टीम मौके पर मौजूद रही। प्राधिकरण के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में अवैध कॉलोनियां बसाने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गंगा पेपर मिल के पीछे भी चली कार्रवाई

दूसरी कार्रवाई गंगा पेपर मिल के पीछे की गई। यहां हाजी यूसुफ और इमरान सहित अन्य लोगों द्वारा करीब 6 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। कॉलोनाइजरों ने यहां कच्ची सड़कों का जाल बिछा दिया था और प्लॉट बेचने की तैयारी के तहत बाउंड्रीवाल भी बनाई जा रही थी।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में फार्मा छात्रों के लिए 'इंडस्ट्री रेडीनेस' पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी के 'स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज' द्वारा "Industry Readiness Approaches" विषय पर एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को फार्मा और लाइफ साइंसेज उद्योग की वर्तमान जरूरतों और व्यावहारिक कौशलों से रूबरू कराना था। विश्वविद्यालय के नेतृत्व-कुलाधिपति महेन्द्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री अखिल अग्रवाल और कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसेनजीत कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का सफल संचालन निदेशक प्रो. (डॉ.) शालिनी शर्मा की देखरेख में हुआ।

मुख्य वक्ता के रूप में 'रेडिएंट बायोलर्निंग' के निदेशक दिव्यांशु सिरोही और ट्रेनर लूना महेश्वरी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने छात्रों को वेयरहाउस, क्वालिटी एश्योरेंस, प्रोडक्शन, क्लिनिकल ट्रायल्स और जीएमपी/जीएलपी जैसे मानकों के बारे में विस्तार से समझाया। महेश्वरी ने दवा निर्माण में स्वच्छ वातावरण के लिए जरूरी एचईपीए फिल्टर और एचवीएसी सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। सिरोही ने करियर निर्माण के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ कम्युनिकेशन स्किल्स, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण को अनिवार्य बताया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रोफेसर पलक हिंदवाल ने किया। अंत में, छात्रों ने विशेषज्ञों से संवाद कर करियर से जुड़ी अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। यह सत्र विद्यार्थियों को भविष्य के कुशल पेशेवर के रूप में तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

संशोधित यूजीसी नियमों के खिलाफ सवर्ण महासभा का आर-पार की लड़ाई का ऐलान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अंबेडकर रोड स्थित सिटी होटल में सवर्ण महासभा के तत्वावधान में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें यूजीसी के नए नियमों का कड़ा विरोध किया गया। बैठक में महासभा के प्रवक्ता बी.के. शर्मा ह्यहनुमान ने कहा कि इन प्रावधानों के विरोध में जल्द ही एक विशाल महापंचायत आयोजित की जाएगी और सरकार के खिलाफ जोरदार आंदोलन चलाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी के नए नियम शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय समाज को जाति और वर्ग के आधार पर विभाजित करने का काम करेंगे। महासभा ने इन नियमों को काला कानून बताते हुए इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की और कहा कि इससे सामाजिक समरसता और समान अवसर की भावना को गहरा आघात पहुंचेगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि सवर्ण समाज अब अपने बच्चों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगा और एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करेगा। इस अवसर पर स्वरूपचंद शर्मा, हरिओम त्यागी, उमेश गर्ग, नरेंद्र गुप्ता नंदी, राकेश गुप्ता, सतीश चोपड़ा, कुलदीप शर्मा, कल्याण देव त्यागी, प्रेमचंद त्यागी, धनप्रकाश त्यागी, अनिल त्यागी, सोमेंद्र त्यागी, श्रद्धानंद त्यागी, देवेंद्र शर्मा, संजय चौहान, अशोक भारतीय, एनके गोयल, आरके गोयल, बृजमोहन त्यागी, सुरेंद्र पाल त्यागी, एसके मिश्रा, डॉ. एसके शर्मा (विजयनगर), सुनील निगम, प्रभात त्यागी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

गोपाल अग्रवाल महानगर महामंत्री
2h ·

Today my grand daughter sweet manvi birthday please bless her

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा महामंत्री गोपाल अग्रवाल ने अपनी लाडली ग्रेंड डॉटर मानवी के जन्मदिन की खुशी को फेसबुक पर साझा किया। गोपाल अग्रवाल ने नन्ही मानवी को ढेरों आशीर्वाद दिये और अपने सभी समर्थकों, मित्रों, शुभचिंतकों से ये कामना की कि सभी उनकी प्यारी लाडली मानवी को आशीर्वाद प्रदान करें। मानवी के जन्मदिन की खुशी को गोपाल अग्रवाल ने फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। स्नेह प्यार अपनापन और आशीर्वाद से परिपूर्णय यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

इस्राइल के तेल-गैस रिफाइनरी पर तेहरान का हमला, ईरान का दावा- हम संघर्षविराम नहीं चाहते

ईरान। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहा ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है। पूरा क्षेत्र तनाव की चपेट में है। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का युद्ध को लेकर सख्त रवैया और खाड़ी देशों में बढ़ता संघर्ष, वैश्विक राजनीति के लिया बड़ा संकट साबित होता दिख रहा है। भारत ने कहा है कि तेजी से बदलती परिस्थितियों पर सरकार की पैनी नजर है।

ईरान का दावा- हम संघर्षविराम नहीं चाहते

ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालिबाफ ने कहा है कि ईरान अमेरिकी और इस्राइली बातचीत के जरिए युद्ध समाप्ति नहीं चाहता। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हम निश्चित रूप से सेजफायर की तलाश में नहीं हैं। हमारा मानना है कि आक्रामक को मुंह पर मुक्का मारकर सबक सिखाना चाहिए, ताकि वह हमारे प्यारे ईरान पर फिर कभी हमला करने की सोच भी न पाए। घालिबाफ ने यह भी कहा कि ईरान युद्ध-बातचीत-सेजफायर और फिर युद्ध के चक्र को तोड़ना चाहता है, जो रणनीति इस्राइल अपने प्रभुत्व को दिखाने के लिए अपनाता है।

ईरान से युद्ध में 24 घंटे में 191 इस्राइली अस्पताल में भर्ती: इस्राइल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि ईरान के साथ युद्ध के चलते पिछले 24 घंटों में 191 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टाइम्स ऑफ इस्राइल के अनुसार अस्पताल में भर्ती होने वालों में सैनिक और आम नागरिक दोनों शामिल हैं, जिनमें से कम से कम एक की हालत गंभीर और तीन अन्य की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। इससे पहले सोमवार को यहूद शहर पर ईरानी मिसाइल हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जिसकी पुष्टि मागेन डेविड एडोम एम्बुलेंस सेवा ने की है।

पश्चिमी ईरान में अमेरिका-इस्राइली हमले में 5 की मौत: पश्चिमी ईरान के अराक शहर में अमेरिका और इस्राइल के हवाई हमले में पांच लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

ईरानी समाचार एजेंसी इसना ने बताया है कि यह हमला शहर की एक आवासीय इमारत पर किया गया।

लेबनान में अमेरिकियों को शेल्टर में रहने की चेतावनी: बेरूत स्थित अमेरिकी दूतावास ने सुरक्षा अलर्ट जारी करते हुए लेबनान में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को चेतावनी दी है कि यदि वे उपलब्ध निकासी विकल्पों का लाभ नहीं उठाते तो उन्हें शेल्टर में रहने के लिए तैयार रहना चाहिए। दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी है कि वे अपने घर या किसी सुरक्षित इमारत में सुरक्षित स्थान तलाशें और खाने-पीने का सामान, दवाइयां तथा अन्य जरूरी चीजें अपने पास रखें।

हंगरी ने बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

हंगरी की सरकार ने बढ़ती ईंधन कीमतों को देखते हुए कच्चा तेल, डीजल और 95-ऑक्टेन पेट्रोल के निर्यात पर रोक लगा दी है। यह जानकारी वित्त मंत्री ने अपने फेसबुक पोस्ट में दी। मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार अपने राज्य ईंधन भंडार से 45 दिनों का ईंधन जारी करेगी ताकि घरेलू जरूरतें पूरी हो सकें। इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने कहा था कि हंगरी में ईंधन की कीमतों पर सीमा तय की जाएगी, ताकि उपभोक्ता और व्यवसाय बढ़ती कीमतों से बच सकें। यह कदम मध्य पूर्व में जारी युद्ध के बीच लिया गया है।

तेल और गैस रिफाइनरी तथा ईंधन टैंकों को बनाया निशाना

ईरान की सेनाओं ने बयान जारी कर कहा है कि उन्होंने इस्राइल के हाइफा शहर में तेल और गैस रिफाइनरी तथा ईंधन टैंकों के खिलाफ ड्रोन/मिसाइल हमला किया। इसका उद्देश्य दावा करते हुए बताया गया कि यह इस्राइल द्वारा उनके ऊर्जा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले के जवाब में किया गया प्रतिकार है। ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, इस हमले को बाजान ग्रुप की रिफाइनरी पर निशाना बनाकर किया गया, जो इस्राइल का एक बड़ा तेल प्रसंस्करण केंद्र है। हालांकि इस्राइल की तरफ से स्पष्ट जानकारी नहीं आई है कि हमला सफल रहा या कोई बड़ा नुकसान हुआ।

ईरान में स्कूल-रिहायशी इमारतों को निशाना बना रहा अमेरिका

नई दिल्ली। ईरान के खोमेयन शहर में स्थित एक स्कूल पर कथित अमेरिकी मिसाइल हमले की खबर सामने आई है, जिसमें आसपास के कई घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, हालांकि फिलहाल किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है।

> **यह हमला डॉ. हाफिज खोमेइनी स्कूल पर हुआ**

ईरान के मध्य स्थित शहर खोमेयन में एक शैक्षणिक संस्थान पर अमेरिकी मिसाइल हमले की खबर सामने आई है। यह हमला डॉ. हाफिज खोमेइनी स्कूल पर हुआ। कतर आधारित मीडिया नेटवर्क अल जजीरा ने ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि विस्फोट से स्कूल के आसपास स्थित कई रिहायशी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है।

ईरान के गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में गई 170 लोगों की जान

यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब हाल ही में दक्षिणी ईरानी शहर मिनाब में एक गर्ल्स स्कूल पर हुए कथित अमेरिकी मिसाइल हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच की मांग उठ रही है। उस हमले में कम से कम 170 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकांश छात्राएं बताई गई थीं।

इसी बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने सख्त बयान जारी करते हुए कहा कि अमेरिका या किसी अन्य देश को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि युद्ध कब खत्म होगा। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह युद्ध की वास्तविक स्थिति छिपाने के लिए भ्रामक बयान दे रहे हैं। IRGC के प्रवक्ता ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य संसाधन ईरानी हमलों से बचने के लिए क्षेत्र से 1000 किलोमीटर से अधिक दूर हट गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के पास पहले से अधिक शक्तिशाली मिसाइलें मौजूद हैं, जिनमें कुछ के वारहेड का वजन एक टन से अधिक है।

'हमलों के लिए इराक को न करें लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल', पीएम अल-सुदानी की अमेरिका को दो टूक

बगदाद। इराक के प्रधानमंत्री अल-सुदानी ने अमेरिकी विदेश मंत्री से कहा कि इराक की जमीन और आसमान का इस्तेमाल किसी भी हमले के लिए न हो। उन्होंने इराक को क्षेत्रीय युद्ध से दूर रखने पर जोर दिया। इसी बीच, ईरान ने इराक स्थित अमेरिकी एयर बेस पर पांच मिसाइलें दागने की जिम्मेदारी ली है।

इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से कहा है कि इराक को किसी भी हमले के लिए लॉन्च पैड की तरह इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सुदानी ने रुबियो को बताया कि उनका देश इलाके में दुश्मनी फैलाने का जरिया नहीं बनेगा।

क्या बोले इराकी के प्रधानमंत्री?

यह कूटनीतिक बातचीत ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में सुरक्षा के हालात बहुत खराब हैं। लड़ाई शुरू होते ही इराक के आसमान में कई तरफ से आती मिसाइलें और लड़ाकू विमान दिखने लगे थे। प्रधानमंत्री के मीडिया ऑफिस ने बताया कि फोन पर हुई इस बातचीत में सुदानी ने एक बड़ी बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह पक्का करना जरूरी है कि इराक की जमीन, आसमान और पानी का इस्तेमाल पड़ोसी देशों पर हमले के लिए न हो। प्रधानमंत्री इराक को बढ़ती हिंसा से बचाना चाहते हैं। बगदाद सरकार अपनी सीमाओं के बिना इजाजत इस्तेमाल के खिलाफ खड़ी है। सुदानी ने अमेरिकी अधिकारी से कहा कि इराक को इन झगड़ों में घसीटने की कोशिश न की जाए। उन्होंने किसी भी पक्ष की तरफ से इराक की सीमाओं के उल्लंघन की कड़ी निंदा की।

ईरानी सेना ने बताया कि इस सैन्य ठिकाने पर पांच मिसाइलें दागी गईं। अल जजीरा के मुताबिक, यह हमला इलाके में बढ़ते तनाव का बड़ा संकेत है। हरीर एयर बेस अंतरराष्ट्रीय गठबंधन सेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण जगह है। इसलिए अमेरिकी मुख्यालय को निशाना बनाना एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सुदानी ने साफ कर दिया है कि वे अपने देश की संप्रभुता की रक्षा करेंगे।

ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर पांच मिसाइलें दागी

इराक शांति की कोशिश कर रहा है, लेकिन युद्ध की आग उसकी सीमाओं के भीतर पहुंच चुकी है। ईरान की सेना (आईआरजीसी) ने उत्तरी इराक में अमेरिकी सैन्य ठिकाने पर मिसाइल हमले की जिम्मेदारी ली है। आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग ने बताया कि उन्होंने इराक के कुर्दिस्तान में स्थित 'हरीर एयर बेस' पर हमला किया। यह एयर बेस अमेरिकी सेना का मुख्य केंद्र है।

'अब कूटनीति की कोई संभावना नहीं बची': यूएस से बातचीत पर ईरानी विदेश मंत्री की दो टूक, ट्रंप को दिया सख्त संदेश

तेहरान। पश्चिम एशिया में बीते ग्यारह दिनों से तनाव चरम पर है। इसी बीच अमेरिका के साथ बातचीत की संभवनाओं को ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सख्ती से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ पिछली बातचीत में भरोसा टूट चुका है और अब कूटनीतिक प्रयासों का कोई भरोसा नहीं बचा।

पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल की ओर से ईरान पर लगातार हमले और ईरान की जवाबी कार्रवाई से संघर्ष गहराता जा रहा है। बीते ग्यारह दिनों से इलाके में तनाव चरम पर है और ईरान की तरफ से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलों से हमला जारी है। इस बीच शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक रास्ते पर चर्चा की कोशिशें हुईं, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका के साथ फिर से वार्ता की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया।

उनका कहना है कि अमेरिका के साथ पिछली बातचीत में भरोसा टूट चुका है और बार-बार हुए हमलों के कारण अब कूटनीति की कोई संभावना नहीं बची। अराघची ने एक न्यूज चैनल से बातचीत के दौरान कहा कि ईरान ने पिछले साल जून में अमेरिका के साथ वार्ता की थी, लेकिन बातचीत के बीच ही उन पर हमला हुआ।

इस साल भी अमेरिका ने दिया था बातचीत का आश्वासनः अराघची

अराघची ने आगे कहा कि इस साल भी अमेरिका ने आश्वासन दिया कि हमला नहीं होगा और परमाणु मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान निकाला जा सकेगा, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका ने आक्रमण किया। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका के साथ बातचीत उनकी प्राथमिकता में नहीं है। इस दौरान ईरान में हाल ही में नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के चयन को अराघची ने स्थिरता का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि नए नेता की नीतियां धीरे-धीरे सामने आएंगी।

तेल की बढ़ती कीमतों पर भी बोले अराघची: अराघची ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल की त्वरित जीत की कोशिशें असफल रही हैं। उनका कहना था कि अमेरिका और इस्राइल सोच रहे थे कि कुछ दिनों में शासन परिवर्तन या तेज जीत हासिल कर लेंगे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। तेल की वैश्विक आपूर्ति और कीमतों में वृद्धि के लिए ईरान को दोष देने की बात पर अराघची ने कहा कि यह उनकी योजना नहीं है। तेल उत्पादन और परिवहन में बाधा अमेरिकी और इस्राइली हमलों के कारण हुई है। इसी वजह से होर्मुज जलसंधि में जहाज सुरक्षित नहीं महसूस कर रहे हैं।

इंटरव्यू में अराघची ने मिनाब में लड़कियों के स्कूल पर हुए हमले में 170 से अधिक लोगों की मौत के लिए अमेरिका को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मिसाइल से यह हमला हुआ था। इसके साथ ही ईरान के सैन्य जवाब को उन्होंने आत्मरक्षा बताया।

ईरान में हो रही तेजाबी बारिश, इस्राइल-अमेरिका हमलों का दिखा खतरनाक असर

नई दिल्ली। ईरान में तेल डिपो पर हुए हवाई हमलों के बाद कुछ इलाकों में तेजाबी बारिश की खबरें सामने आई हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक यह सिर्फ एसिड रेन नहीं बल्कि धुएं से निकले जहरीले कण, हाइड्रोकार्बन, PM2.5 और कैंसरकारी रसायनों का मिश्रण हो सकता है। इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

ईरान में सप्ताहांत में तेल डिपो पर हुए अमेरिका-इस्राइल के हवाई हमलों के बाद कुछ इलाकों में काली बारिश होने की खबरें सामने आ रही हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में इसे एसिड रेन बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश का पानी काला दिखाई दे रहा है और उसमें तेल जैसी परत भी देखी जा रही है, जो इमारतों और वाहनों पर जम रही है। कुछ लोगों ने सिरदर्द और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत भी की है। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने भी चेतावनी दी है कि इन हमलों के बाद होने वाली बारिश बेहद खतरनाक और अम्लीय हो सकती है।

वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और वायु प्रदूषण पर काम करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि यह स्थिति केवल सामान्य एसिड रेन तक सीमित नहीं हो सकती, बल्कि इसमें कई खतरनाक प्रदूषक शामिल होने की आशंका है। उनके अनुसार अधिक गंभीर स्थिति हो सकती है।

काली बारिश क्यों हो रही है?

वायुमंडल से प्रदूषकों को हटाने का एक प्रमुख तरीका बारिश है। जब हवा में बड़ी मात्रा में प्रदूषक मौजूद होते हैं तो बारिश की बूंदें उन्हें अपने साथ लेकर जमीन पर ले आती हैं। तेल डिपो पर हमले के बाद वातावरण में भारी मात्रा में धुआं और प्रदूषक फैल गए होंगे।

इसी कारण बारिश की बूंदें इन प्रदूषकों को अपने साथ लेकर नीचे गिर रही हैं, जिससे काली बारिश की स्थिति बन रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बारिश में कई खतरनाक पदार्थ मौजूद हो सकते हैं, जिनमें हाइड्रोकार्बन, बेहद महीन कण और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन शामिल हैं। पीएएचएस ऐसे रसायन हैं जिन्हें कैंसरकारी माना जाता है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती तेल कीमतों से ईंधन संकट गहराया

नई दिल्ली। मध्य पूर्व संकट और बढ़ती तेल कीमतों के बीच कई देश ईंधन बचत के कदम उठा रहे हैं। थाईलैंड ने सरकारी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम का आदेश दिया, जबकि पाकिस्तान ने वेतन कटौती, स्कूल बंद और सरकारी खर्च कम करने जैसे कड़े उपाय घोषित किए हैं।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती तेल कीमतों और मध्य पूर्व में जारी संकट जारी है। इसे देखते हुए कई देश ईंधन बचाने के लिए अलग-अलग प्रयास कर रहे हैं। पाकिस्तान के बाद थाईलैंड ने भी ईंधन बचाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को घर से काम करने का आदेश दे दिया है। थाई प्रधानमंत्री अनुटिन चार्नवीराकुल ने आज यह ऐलान किया। घर से काम करने के अलावा और भी कई तरह के निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी कर्मचारियों के विदेश दौरे पर भी रोक, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने का सलाह दी गई है। मध्य पूर्व संकट के कारण ईंधन की खपत कम करने की मंशा करने के साथ ये कदम उठाए गए हैं।

इससे पहले पाकिस्तान ने भी अपना ईंधन बचाने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को बढ़ती तेल कीमतों को देखते कटौती करने का योजना बनाई।

इसमें सांसदों-मंत्रियों के वेतन में कटौती से लेकर बच्चों के स्कूल बंद रखने तक की घोषणा की गई। सरकारी कर्मचारियों के विदेश दौरे रोके गए हैं। मंत्री दो महीने वेतन नहीं मिलेगा, साथ ही सांसद की सैलरी को 25 प्रतिशत काटा जाएगा। दो महीने तक सरकारी गाड़ियों को 50 फीसदी कम ईंधन मिलेगा। 60 फीसदी सरकारी वाहन नहीं चलेंगे। सभी सरकारी विभाग अपने खर्च में 20 फीसदी की कटौती करेंगे। आधे कर्मचारियों का घर से काम करने का नियम बैंक, अस्पताल, कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों जैसी आवश्यक सेवाओं पर लागू नहीं होगा। पाकिस्तान में सरकारी दफ्तर को चार दिन खोला जाएगा। आधे लोग घर से काम करेंगे। इसे हफ्ते के अंत से स्कूल दो हफ्तों के लिए बंद रहने का एलान किया गया है। डॉन अखबार के अनुसार प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सख्त मितव्ययिता उपायों की घोषणा की है।

> **पाकिस्तान, थाईलैंड, बांग्लादेश, वियतनाम ने उठाए कदम**

वहीं, वियतनाम ने भी लोगों से ईंधन बचाने के लिए घर से काम करने और गाड़ियों का कम इस्तेमाल करने की अपील की है, जबकि बांग्लादेश ने बिजली और ईंधन बचाने के लिए विश्वविद्यालयों को पहले ही बंद करने का ऐलान कर दिया था और ईद-उल-फितर की छुट्टियां आगे बढ़ा दी हैं।

ईरान पर सबसे बड़े हमले की तैयारी, अमेरिकी और इस्राइल ने दी भीषण तबाही की चेतावनी

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने ईरान पर अब तक के सबसे बड़े हमलों की चेतावनी दी है। इस्राइल ने भी ईरानी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प जताया है। इस बीच, कतर और यूएई ने ईरानी मिसाइलों को रोकने के लिए अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है। ट्रंप के बयानों से बाजार में अस्थिरता बनी हुई है

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मंगलवार का दिन ईरान के अंदर अमेरिकी हमलों का अब तक का सबसे भीषण दिन होगा। यह चेतावनी तब आई है जब ईरान की हमला करने की ताकत कम होती दिख रही है, लेकिन उसने लड़ाई जारी रखने की बात कही है।

दूसरी तरफ, इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा, 'हम उनकी हड्डियां तोड़ रहे हैं।' नेतन्याहू ने साफ किया कि इस युद्ध का मकसद ईरान की सरकार को सत्ता से हटाना है ताकि वहां के लोगों को जुल्म से आजादी मिल सके। उन्होंने कहा कि ईरानी लोगों को आजाद कराना ही उनका असली लक्ष्य है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों ने भी दुनिया भर में हलचल मचा दी है। उन्होंने युद्ध कितने समय तक चलेगा, इस बारे में अलग-अलग संकेत दिए हैं। इस अनिश्चितता की वजह से सोमवार को शेयर बाजार और तेल की कीमतों में काफी उतार-चढ़ाव देखा गया। इस बीच, ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर कलीबाफ ने उन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि तेहरान ने युद्ध रोकने (सीजफायर) की मांग की है।

पेंटागन में पत्रकारों से बात करते हुए हेगसेथ ने कहा कि आज ईरान पर सबसे जोरदार हमले होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 24 घंटों में ईरान ने अब तक की सबसे कम मिसाइलें दागी हैं। अमेरिकी सेना के जनरल डैन केन ने जानकारी दी कि ईरान के खिलाफ यह सैन्य अभियान अब 11वें दिन में पहुंच गया है।

क्षेत्र के अन्य देशों में भी तनाव बढ़ गया है। कतर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने अपनी तरफ आती एक मिसाइल को हवा में ही रोक दिया है। कतर ने अपने नागरिकों को ईरान के हमलों के डर से घरों के अंदर रहने की सलाह दी है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी कहा है कि ईरान की तरफ से होने वाली फायरिंग को रोकने के लिए उसने अपने एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। वहीं इस सबके बीच, ईरान के एक सुरक्षा अधिकारी ने राष्ट्रपति ट्रंप को धमकी भी दी है।

अमेरिकी एजेंसी का दावा- स्लीपर सेल को सक्रिय करने का खुफिया संदेश पकड़ा

वॉशिंगटन। क्या अमेरिका में हमले के लिए ईरान दूसरी चाल चलने की तैयारी कर रहा है? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है, क्योंकि बढ़ते हमलों के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा सामने आया है। दावा यह है कि कि उन्होंने ईरान से भेजा गया एक कोडेड संदेश पकड़ा है। आइए इस कोडेड संदेश के बारे में जानते हैं।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच अब अमेरिका के खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा सामने आया है। दावा यह किया जा रहा है कि दोनों तरफ से बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने एक कोडेड संदेश पकड़ा है। इस संदेश को ईरान से भेजा गया बताया जा रहा है।

अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि यह संदेश विदेशों में पहले से मौजूद स्लीपर सेल यानी छिपे हुए एजेंट को सक्रिय करने के लिए हो सकता है। बताया जा रहा है कि यह संदेश 28 फरवरी को आया। यह वही दिन था जब अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातल अली खामेनेई की मौत हो गई थी। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि इस समय ईरान और अमेरिका इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया था।

समझिए क्या होता है स्लीपर सेल?

बता दें कि स्लीपर सेल वे गुप्त लोग होते हैं जो किसी देश के अंदर या बाहर पहले से रहते हैं। ये आम तौर पर शांत रहते हैं और किसी भी काम में नहीं आते। लेकिन अगर उन्हें कोई संकेत या आदेश मिलता है तो ये अचानक सक्रिय होकर कोई मिशन पूरा कर सकते हैं।

संदेश में किन-किन बातों का दावा किया गया?

संदेश कई देशों में भेजा गया। इसके लिए एक नया रेडियो स्टेशन का इस्तेमाल हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होता है। अभी तक इस संदेश का पूरा मतलब नहीं पता चला है। लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि इसे गंभीरता से लेना चाहिए। खुफिया एजेंसियों के इन दावों के बाद अमेरिका ने सभी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

जनगणना-2027 को लेकर गाजियाबाद में अधिकारियों का प्रशिक्षण

नगर निगम सदन कक्ष में दो दिवसीय प्रशिक्षण मकान सूचीकरण मई-जून 2026 में होगा

जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सौरभ भट्ट ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी कि जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में चल रहे जनगणना-2027 कार्यक्रम के तहत जनपद स्तरीय अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों तथा उनके नियमित लिपिकीय सहायकों का प्रशिक्षण 9 और 10 मार्च 2026 को नगर निगम के सदन कक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रभारी अधिकारी जनगणना एवं मास्टर ट्रेनर संतोष उपाध्याय ने उपस्थित जिला स्तरीय अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों और लिपिकीय सहायकों को जनगणना के रोडमैप और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

दो चरणों में पूरी होगी जनगणना : प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनगणना का कार्य दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (एचएलओ) का कार्य मई-जून 2026 में लगभग 30 दिनों की अवधि में कराया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में इसके तहत पूरा गांव या गांव का कोई हिस्सा शामिल किया जा सकता है, जबकि नगरीय क्षेत्रों में किसी वार्ड का स्पष्ट सीमांकित भाग इसमें शामिल होगा।

एक प्रगणक के जिम्मे 150-180 परिवार : जनगणना प्रक्रिया में प्रत्येक प्रगणक को एक या एक से अधिक एन्यूमरेशन ब्लॉक (ई.बी.) सौंपे जाएंगे, जिनमें औसतन 150 से 180 परिवार या लगभग 650 से 800 की आबादी शामिल होगी। प्रगणक इन परिवारों का विवरण दर्ज करेंगे।

जनगणना होगी पूरी तरह डिजिटल
अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना-2027 पूर्ण रूप से डिजिटल होगी। आम नागरिक भी डिजिटल माध्यम से जनगणना संबंधी प्रश्नों के उत्तर देकर प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी का बाद में प्रगणक घर-घर जाकर स्थलीय सत्यापन करेंगे।

जिले में बड़ी टीम करेगी कार्य
जनपद में जनगणना कार्य के लिए कुल 16 चार्ज अधिकारी, 4 मास्टर ट्रेनर और 134 फील्ड ट्रेनर नियुक्त किए गए हैं। इनके पर्यवेक्षण में 10,025 एचएलओ कार्य 10,025 प्रगणकों द्वारा किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक छह प्रगणकों के कार्य के निरीक्षण के लिए 1671 सुपरवाइजर भी नामित किए जाएंगे।

मोबाइल एप और पोर्टल का दिया गया प्रशिक्षण
प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य में उपयोग होने वाले मोबाइल एप्लीकेशन और सीएमएसएस पोर्टल के संचालन तथा मकान गणना के समय पूछे जाने वाले प्रश्नों के बारे में भी अधिकारियों और कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

धीरेन्द्र यादव के त्यागपत्र पर धारा 29 लागू तो भवन कर में धारा 174 क्यों नहीं : हिमांशु लव

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम की 7 मार्च को हुई बोर्ड बैठक में पार्षद धीरेन्द्र यादव द्वारा बढ़े हुए 100, 200 और 300 प्रतिशत भवन कर के विरोध में दिए गए त्यागपत्र को लेकर नया सवाल खड़ा हो गया है।

पूर्व पार्षद पं० हिमांशु लव ने कहा कि यदि धीरेन्द्र यादव के त्यागपत्र पर नगर निगम एक्ट की धारा 29 लागू करने की बात कही जा रही है, तो भवन करदाताओं को राहत देने वाली धारा 174 को आज तक क्यों लागू नहीं किया गया। हिमांशु लव ने कहा कि धीरेन्द्र यादव ने अपने वार्ड की जनता पर बढ़े हुए भवन कर के विरोध में महापौर को त्यागपत्र दिया था। उनका कहना था कि यदि नगर निगम बढ़ा हुआ भवन कर वापस नहीं लेता है तो उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि यह त्यागपत्र व्यक्तिगत इच्छा से नहीं बल्कि जनता के हित और नैतिक दबाव में दिया गया था, क्योंकि उन्हें अपने मतदाताओं को बढ़े हुए भवन कर के बारे में जवाब देना था।

उन्होंने कहा कि नगर निगम एक्ट की धारा 29 का हवाला देकर यदि पार्षद का त्यागपत्र स्वतः स्वीकार मानने की बात कही जा रही है, तो उसी एक्ट की धारा 174 को भी लागू किया जाना चाहिए। इस धारा के तहत 10 से 20 वर्ष पुराने भवनों पर 32.5 प्रतिशत और 20 वर्ष से अधिक पुराने भवनों पर 40 प्रतिशत तक भवन कर में छूट देने का प्रावधान है।

हिमांशु लव ने आरोप लगाया कि पिछले 20 से 30 वर्षों से नगर निगम ने इस छूट को लागू नहीं किया और भवन स्वामियों से पूरा कर वसूल किया। उन्होंने मांग की कि धारा 174 के अनुसार मिलने वाली 32.5 से 40 प्रतिशत की छूट को लागू कर पहले से वसूले गए अतिरिक्त भवन कर को भवन स्वामियों के कर में समायोजित किया जाए।

डीजीसीए से मिला एरोड्रम लाइसेंस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट उड़ान को तैयार

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब पूरी तरह से उड़ान भरने के लिए तैयार है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने आधिकारिक तौर पर एयरपोर्ट ऑपरेटर को डीजीसीए एरोड्रम लाइसेंस सौंप दिया है। इस लाइसेंस के मिलने के साथ ही नोएडा एयरपोर्ट ने ऑपरेशन की दिशा में अपनी सबसे बड़ी बाधा पार कर ली है। मार्च के अंतिम सप्ताह तक प्रधानमंत्री के द्वारा इसके उद्घाटन करने की संभावना जताई जा रही है।

केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने लाइसेंस सौंपते हुए खुशी जाहिर की और एयरपोर्ट ऑपरेटर के साथ शेष प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा करने पर चर्चा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत भारत का उड्डयन क्षेत्र अब 'अनप्रिसिडेंटेड' यानी अभूतपूर्व गति से बढ़ रहा है।

बता दें कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट न केवल क्षेत्रफल के लिहाज से एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है, बल्कि यह भारत के भविष्य का ग्लोबल एविएशन हब भी बनेगा। यहाँ अत्याधुनिक एमआरओ (मैंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सुविधाएं और विशाल एयर कार्गो हब होगा, जो भारत को वैश्विक लॉजिस्टिक मैप पर नई पहचान दिलाएगा। डीजीसीए (लाइसेंस मिलने के बाद अब एयरपोर्ट पर कमर्शियल उड़ानों का रास्ता साफ हो गया है।

सूत्रों के मुताबिक, मार्च के अंतिम सप्ताह तक प्रधानमंत्री मोदी इसका उद्घाटन कर सकते हैं, जिससे दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के करोड़ों यात्रियों को एक विश्व स्तरीय विकल्प मिलेगा।

यह एयरपोर्ट न केवल भीड़भाड़ कम करेगा, बल्कि उत्तर भारत में निवेश और रोजगार के नए द्वार भी खोलेगा।

सीईओ के निरीक्षण में खुली सफाई की पोल, कर्मचारियों पर गाज

डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन में गड़बड़ी पर एजेंसी पर 5 लाख रुपये की पेनल्टी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कृष्णा करुणेश ने मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर अनुरक्षण, सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान सीईओ को कई जगहों पर अनियमितताएं देखने को मिली।

निरीक्षण के दौरान सीईओ को ई-9 सेक्टर-8 के समीप मलबे का ढेर पड़ा हुआ मिला। जिसके संबंध में उक्त सेक्टर में सफाई के लिए तैनात सफाईकर्मी राहुल, सोनी तथा हेल्थ सुपरवाईजर श्रीप्रकाश मिश्रा की सेवा समाप्त करने एवं अवर अभियन्ता हरेन्द्र मलिक का 10 दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। सेक्टर-57 में सी-4 तथा सी-60-63 के समीप कूड़ा व मलबा मिलने पर उक्त क्षेत्र में सफाई के लिए तैनात सुपरवाईजर आजाद की सेवा समाप्त करने के निर्देश सीईओ द्वारा दिये गये। वहीं सेक्टर-63 में नाले में अत्यधिक मात्रा में कूड़ा पाया गया, जिसके कारण नाला जाम पड़ा हुआ है। जिसके दृष्टिगत उक्त क्षेत्र में सफाई हेतु तैनात सफाईकर्मी धर्मवीर एवं सुपरवाईजर आकाश की सेवा समाप्त करने, प्रबन्धक को चेतावनी जारी करने एवं संविदाकार को ब्लैकलिस्ट केने के लिए नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान सीईओ को कई सेक्टरों के निवासियों ने जानकारी दी कि नोएडा में डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन की कार्यवाही समुचित नहीं हो रही है।

इस संबंध में सीईओ ने डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन का कार्य देख रही एजेन्सी एजी एन्वायरो इन्फ्रा प्रोजेक्ट पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगाये जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सीईओ ने समस्त वर्क सर्किलों को निर्देश दिये गये कि प्रतिदिन सभी स्थानों से कूड़ा उठाने की कार्यवाही सुबह 10 बजे तक प्रत्येक दशा में सुनिश्चित की जाए। वहीं शहर के विभिन्न सड़कों पर निराश्रित घूमती गायों को अभियान चलाकर गौशाला में शिफ्ट किये जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण के महाप्रबन्धक (सिविल) एसपी सिंह एवं विभिन्न वर्क सर्किलों के वरिष्ठ प्रबन्धक उपस्थित रहे।

300% टैक्स वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महानगर कांग्रेस कमेटी गाजियाबाद ने नगर निगम द्वारा की गई भारी कर वृद्धि के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने निगम प्रशासन और भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए इसे जनता के साथ विश्वासघात करार दिया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर बढ़ी हुई दरें वापस नहीं ली गईं, तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करेगी।

प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से वीर सिंह जाटव ने कहा कि गाजियाबाद उत्तर प्रदेश का 'दिल' है, लेकिन वर्तमान मेयर और निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से जनता के इसी दिल को घायल करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने 300 प्रतिशत की टैक्स वृद्धि को 'जजिया कर' से भी बदतर बताते हुए इसे एक विनाशकारी फैसला बताया। जाटव ने तंज कसते हुए कहा, देश, प्रदेश और नगर निगम तक में भाजपा की सरकार होने के बावजूद जनता खून के आंसू रो रही है।

आज हालात यह हैं कि जनता त्रस्त है, लेकिन भाजपा सत्ता के नशे में मस्त है। कांग्रेस पार्टी ने निगम की दमनकारी नीतियों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक सुर में कहा कि दुकानों और मकानों पर थोपा गया यह कर वृद्धि का बोझ किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। प्रशासन को सात दिन का समय दिया गया है। मांग पूरी न होने पर निगम का घेराव, धरना प्रदर्शन और अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की जाएगी। इस आंदोलन में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने भी कांग्रेस को अपना समर्थन देने का भरोसा दिया है।

पूर्व अध्यक्ष विनीत त्यागी और अन्य वरिष्ठ नेताओं के समर्थन के साथ महानगर अध्यक्ष ने हुंकार भरते हुए कहा, याचना नहीं अब रण होगा, संघर्ष महाभीषण होगा। उन्होंने पीड़ित जनता को न्याय दिलाने के लिए इसे 'आंदोलन रूपी हवन' बताया, जिसमें कांग्रेस का हर कार्यकर्ता अपनी आहुति देने को तैयार है।

यमुना प्राधिकरण में किसानों की बैठक प्लॉट आवंटन, मुआवजे पर अधिकारियों का आश्वासन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में मंगलवार को यमुना प्राधिकरण कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक मंच) की बैठक हुई। जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा हतेवा के नेतृत्व में हुई इस बैठक में जगनपुर-दनकौर इंटरचेंज परियोजना से प्रभावित सैकड़ों किसान शामिल हुए। किसानों ने अधिकारियों के सामने प्लॉट आवंटन, मुआवजा और अन्य लंबित समस्याओं को रखा।

बैठक में यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह, सीनियर मैनेजर राजेंद्र भाटी, तहसीलदार सदर अजय सिंह, वीपी सिंह और बिजली विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह ने किसानों को बताया कि इंटरचेंज परियोजना से प्रभावित कुल 135 किसानों में से 75 को आवासीय प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि शेष 65 किसानों को एक सप्ताह के भीतर प्लॉट आवंटित कर दिए जाएंगे। जिन किसानों की औपचारिकताएं लंबित हैं, उन्हें संबंधित अधिकारियों द्वारा सूचित कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, 64.7 प्रतिशत मुआवजे की शेष राशि 15 दिनों के भीतर किसानों के खातों में भेज दी जाएगी।

सीनियर मैनेजर राजेंद्र भाटी ने जानकारी दी कि प्रस्तावित आवासीय भूखंडों के विकास का कार्य मंगलवार से शुरू हो गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिन गांवों में प्राधिकरण द्वारा विकास कार्य चल रहे हैं, उन्हें भी जल्द पूरा कराया जाएगा।

इस दौरान, संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश शर्मा ने अधिकारियों से किसानों की समस्याओं का समय रहते समाधान करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा। राष्ट्रीय संगठन मंत्री बॉबी नागर ने भी कहा कि यदि एक सप्ताह में तहसील से जुड़ी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो तहसील परिसर में बड़ी पंचायत आयोजित की जाएगी।

यह बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। बैठक में धीरज प्रमुख, जगत सिंह, डॉ. ओम प्रकाश, गजराज सिंह, देवेंद्र शर्मा, मोहन शर्मा, वेदपाल शर्मा, रामकुमार शर्मा, राजकुमार नागर, कपिल नागर एडवोकेट, राहुल नागर, विनोद ठाकुर, दुर्गा नागर, सतीश नागर सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

मीरपुर में सॉलिड वेस्ट प्लांट को लेकर चला धरना समाप्त पर्यावरणीय परीक्षण के लिए समिति गठित

लोनी, करंट क्राइम। तहसील लोनी के ग्राम मीरपुर में प्रस्तावित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट को लेकर चल रहा ग्रामवासियों का धरना नगर निगम प्रशासन के साथ बैठक के बाद समाप्त हो गया। नगर आयुक्त की मौजूदगी में हुई वार्ता में सहमति बनी कि प्लांट के पर्यावरणीय प्रभाव का परीक्षण करने के लिए संयुक्त समिति बनाई जाएगी, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त से मुलाकात के बाद बना सहमति का रास्ता
करंट क्राइम। ग्राम मीरपुर के निवासियों ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर अपनी आशंकाओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। इसके बाद नगर आयुक्त की उपस्थिति में ग्रामवासियों और नगर निगम अधिकारियों के बीच बैठक आयोजित की गई, जिसमें सर्वसम्मति से धरना समाप्त करने और पर्यावरणीय परीक्षण समिति बनाने का निर्णय लिया गया।

समिति करेगी पर्यावरणीय परीक्षण बैठक में तय किया गया कि प्लांट से संभावित पर्यावरणीय प्रभावों की जांच के लिए 23 सदस्यों की समिति बनाई जाएगी। इस समिति में 11 स्थानीय कृषक और 12 प्रशासनिक अधिकारी शामिल किए गए हैं। समिति द्वारा किए जाने वाले पर्यावरणीय परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर आगामी निर्णय लिया जाएगा।

समिति में शामिल अधिकारी : समिति में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, उप जिलाधिकारी लोनी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका लोनी, प्रतिनिधि यूपी सीडा, सचिव गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, मुख्य अभियंता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, अपर नगर आयुक्त नगर निगम गाजियाबाद, मुख्य अभियंता नगर निगम गाजियाबाद, नगर स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम गाजियाबाद और अधिशासी अभियंता प्रकाश नगर निगम गाजियाबाद को शामिल किया गया है।

ग्राम प्रतिनिधियों को भी मिली जगह समिति में ग्राम मीरपुर के प्रतिनिधियों के रूप में रविंद्र त्यागी, मास्टर महेंद्र सिंह त्यागी, रविंद्र मंडार, पवन मंडार, मोनू त्यागी, चेतन त्यागी, दीपक त्यागी, लीलू त्यागी, मोहम्मद इरशाद, विपिन कुमार बिल्लू और प्रवीण मलिक को सदस्य बनाया गया है।

पार्षद यशपाल पहलवान ने किया विकास कार्य का शुभारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भोपुरा सफेद गेट क्षेत्र में निर्माण कार्यों का शंखनाद किया गया। स्थानीय निगम पार्षद यशपाल पहलवान ने नारियल फोड़कर विधि-विधान के साथ गली एवं नाली में इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने के कार्य का उद्घाटन किया। यह निर्माण कार्य पार्षद की विकास निधि से कराया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को जलभराव और जर्जर रास्तों से मुक्ति मिलेगी।

उद्घाटन के दौरान पार्षद यशपाल पहलवान ने कहाः क्षेत्र की जनता का सहयोग और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। जनसेवा का जो संकल्प हमने लिया है, उसे धरातल पर उतारना ही हमारी प्राथमिकता है। हम क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

इस अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों ने पार्षद का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान देवेन्द्र कसाना, मनोज कसाना, विनोद कसाना, कालू, बबलू, रमेश, विनोद कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए जिला जज ने प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

नोएडा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्ध नगर के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव द्वारा आज राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार वाहन को जिला मुख्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च 2026 को प्रातः 10 बजे से जनपद के मुख्यालय एवं समस्त तहसील न्यायालयों में आयोजित की जाएगी।

जनपद न्यायाधीश ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के वादों का निस्तारण आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर किया जाएगा। इसके अंतर्गत मोटर दुर्घटना प्रतिकर अधिनियम के वाद, वैवाहिक वाद, भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के वाद, दीवानी वाद, एनआई एक्ट व ई-चालान के वाद, आर्बिट्रेशन के वाद, लघु शमनीय वाद, एनआई एक्ट की धारा 138 के वाद, विद्युत अधिनियम के वाद, भू-राजस्व के वाद सहित अन्य प्रकृति के मामलों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सेवा संबंधी मामले, पेंशन के मामले, श्रम से संबंधित प्रकरण, प्री-लिटिगेशन स्तर पर बैंक ऋण के मामले, विद्युत एवं बीएसएनएल के टेलीफोनिक बिल से संबंधित प्रकरणों का भी आपसी समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अपने लंबित मामलों के त्वरित एवं सुलभ निस्तारण के लिए संबंधित न्यायालयों से संपर्क स्थापित करें। अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के ई-मेल dlsa.gbnnoida@gmail.com अथवा कार्यालय के मोबाइल नंबर 9716535451 व 7678643985 पर संपर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर पीठासीन अधिकारी एमएसीटी कोर्ट वत्सल श्रीवास्तव, अपर जिला जज-प्रथम सुनील कुमार, अपर जिला जजध्विशेष न्यायाधीश पोक्सो विकास नागर, अपर जिला जज-षष्टम प्रतिक्षा नागर, अपर जिला जज/विशेष न्यायाधीश पोक्सो-द्वितीय विजय कुमार हिमांशु, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवानी त्यागी, सिविल जज जू.डि. अंकिता सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

नोएडा पुलिस ने किया फर्जी रिक्रूटमेंट सेंटर का पदार्फाश 4 महिलाओं समेत 6 शातिर गिरफ्तार

नोएडा। देश और विदेशों में क्रूज शिप पर नौकरी दिलाने के नाम धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय रैकेट का थाना सेक्टर-113 पुलिस ने पदार्फाश किया है। पुलिस ने सेक्टर-73 स्थित एंथूरियम बिजनेस पार्क में छापेमारी कर एक फर्जी रिक्रूटमेंट सेंटर से 2 पुरुषों और 4 महिलाओं समेत कुल 6 शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह सोशल मीडिया पर लुभावने विज्ञापन देकर बेरोजगार युवाओं को अपना शिकार बनाता था। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन, 1 लैपटॉप, 5 मॉनिटर, 5 कीबोर्ड, 5 सीपीयू, 04 माउस, 1 राउटर, 2 मोहर, 2 चेकबुक, 2 सिम कार्ड, 1 एटीएम कार्ड तथा अन्य दस्तावेज बरामद किया है।

एडिशनल डीसीपी नोएडा मनीषा सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर-113 पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर देश-विदेश में क्रूज आदि में नौकरी दिलाने का हए ARE HIRING नामक पेड एड (विज्ञापन) चलाकर धोखाधड़ी करने वाले 6 अभियुक्त सरीम खान पुत्र नफीस अहमद, शोएब खान पुत्र नजररुद्दीन, रितिका पुत्री राजीव गुप्ता, मन्तसा अब्बासी पुत्री इकबाल अहमद, फातिमा पुत्री गुलाम गोस सिद्दकी तथा खुशी उर्फ खुशबू पुत्री शकूर खां को एंथूरियम बिजनेस पार्क सेक्टर-73 नोएडा से गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने बताया कि पुलिस की गिरफ्त में आये सभी अभियुक्त अंतरराष्ट्रीय ठग रैकेट के सदस्य है जो देश-विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं को अपना शिकार बनाता है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान अभियुक्त सरीम खान व शोएब खान द्वारा बताया गया कि वे रिक्रूटमेंट सेंटर फएउफ्वक्ळए रएफ्रक्ळए कम्पनी के फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर WE ARE HIRING" के पेड एड चलाकर इच्छुक लोगों से फॉर्म भरवाते और उनकी डिटेल्स लेकर देश-विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर 40 से 60 हजार रुपये वसूलते थे।

इसके बाद फर्जी जोइनिंग लेटर ईमेल के माध्यम से भेजकर धोखाधड़ी करते थे। इस काम के लिए उन्होंने एंथूरियम बिजनेस पार्क, सेक्टर-73, नोएडा में एक ऑफिस किराए पर लिया था, जहां उनके अन्य साथी भी मौजूद रहते थे। उन्होंने बताया कि इस गिरोह के अन्य सदस्यों को पुलिस तलाश कर रही है।